बालाघाट
गुरुवार 25 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 09 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 271
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स - 76,991.22
निफ्टी - 24,021.65
सोना - 1,52,621
चांदी - 2,45,000
डॉलर - 94.29

खास खबर

सीयूईटी यूजी 2026 परीक्षा में ऑल इंडिया टॉपर बनी देविना गहलोत

नई दिल्ली। दिल्ली के एक स्कूल की छात्रा और विधायक की बेटी देविना ने सीयूईटी यूजी 2026 परीक्षा में ऑल इंडिया में पहली रैंक हासिल की है। देविना के पांच में से तीन विषयों में 100 पर्सेंटाइल आए हैं। 12वीं में 99.2 फीसदी अंक हासिल करने वाली देविना अब कॉलेज में प्रवेश लेने की तैयारी कर रही हैं। उनकी सफलता मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण कई छात्रों के लिए प्रेरणादायक है। बता दें देविना के पता बीजेपी विधायक हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर परीक्षा का रिजल्ट जारी किया। एनटीए के मुताबिक देविना गहलोत ने इस परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया और सीयूईटी की ऑल इंडिया टॉपर बन गई।

संजय राउत का गद्दारों के खिलाफ युद्ध का ऐलान

मुंबई। शिवसेना-यूबीटी के 6 लोकसभा सांसदों के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने के बाद, पार्टी नेता संजय राउत ने गद्दारों के खिलाफ सीधी लड़ाई का ऐलान कर दिया है। यह घटनाक्रम ऑपरेशन टाइगर के तहत सामने आया, जब उद्धव गुट के इन सांसदों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना में औपचारिक रूप से शामिल होने की घोषणा की। राज्यसभा सांसद राउत ने पोस्ट में आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने लिखा, ना थके कभी जोड़ी, ना हिम्मत हारी है। लड़ना है महाराष्ट्र के गद्दारों के खिलाफ, हौसला है बुलंद, सफर जारी है। इस पोस्ट में राउत की राइफल पकड़े हुए तस्वीर भी थी, जो उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

5 नए निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी

पटना। बिहार सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य में पांच नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसमें कुल 45 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। जानकारी के अनुसार ये नए निजी विश्वविद्यालय राज्य के पटना, मधुबनी, सिवान, औरंगाबाद और नवादा जिलों में खोले जाएंगे। सरकार का मानना है कि इस फैसले से उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे और छात्रों को राज्य के भीतर ही बेहतर विकल्प मिलेंगे। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए, जिनमें न्यायिक ढांचे को मजबूत करने के लिए कुछ जिलों में नए न्यायालय भवनों के निर्माण की मंजूरी शामिल है। साथ ही शहरी विकास और बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी गई।

कुछ ना कहना

निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत

21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

बीते 10 सालों में निर्माण कार्य के दौरान हुए हादसे

मार्च 2024, कोलकाता- गार्डन रीच इलाके में पांच मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिरने से 12 लोगों की मौत हुई थी। जांच में बिना मंजूरी निर्माण और नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई थी।

जुलाई 2023, ठाणे (महाराष्ट्र)- निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरने से 7 मजदूरों की मौत और कई घायल हुए थे।

जून 2023, मुंबई- बांद्रा में निर्माणाधीन इमारत का हिस्सा गिरने से कई मजदूर घायल हुए थे।

सितंबर 2022, अहमदाबाद- निर्माणाधीन इमारत का एक हिस्सा ढहने से मजदूर मलबे में दब गए थे।

2016, कोलकाता का विवेकानंद फ्लाईओवर- निर्माणाधीन फ्लाईओवर गिरने से 27 लोगों की मौत हुई थी। यह पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े निर्माण हादसों में गिना जाता है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक चार लोगों को बचाया जा चुका है। भारतीय सेना के जवान भी राहत कार्य में सहयोग कर रहे हैं। भारी-भरकम क्रेन और अन्य मशीनरी की मदद से गिरे हुए लोहे के बीम्स और मलबे को हटाया जा रहा है। इस भीषण हादसे के बाद राज्य सरकार पूरी तरह अलर्ट पर है। आपदा प्रबंधन समूह ने राहत कार्यों की निगरानी और पीड़ितों की मदद के लिए राज्य सचिवालय में विशेष कंट्रोल रूम नंबर जारी किए हैं। नागरिक आपातकालीन स्थिति में 1070, 8697981070, और 033-22143526 / 22535185 पर संपर्क कर सकते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

एसआईटी ने चंपत राय सहित 17 को आरोपी माना, एफआईआर तय

चंपत राय के करीबी के संपति में बंपर आया उछाल

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने अपनी जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा कर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव सहित 17 लोगों को आरोपी माना है। सूत्रों के मुताबिक, इन सभी के खिलाफ जल्द ही एफआईआर दर्ज होना लगभग तय है।

जांच के दौरान, एसआईटी टीम को दानपात्रों की चाबियां रामशंकर यादव उर्फ टिंबू के पास मिली हैं, जो इस मामले में एक महत्वपूर्ण सबूत है। टीम मंगलवार को फिर जांच के लिए अयोध्या पहुंच सकती है। एसआईटी ने लगभग 150 इसतरह के सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है जिनकी आर्थिक स्थिति 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अचानक काफी सुधर गई। इसमें चंपत राय के करीबी फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं, जिनके पास 25 लाख रुपये की कुल कीमत वाली तीन लग्जरी कारें मिली हैं।

एसआईटी ने मंगलवार को अपनी 20 पन्नों की शुरुआती जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी, जिसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण है। रिपोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दुबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। साथ ही, किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है। एसआईटी ने पिछले पांच साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने और भविष्य में अनियमितताओं को रोकने के लिए सुझाव दिए हैं, जिसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेजी है, जो अब ट्रस्ट के सदस्यों के भविष्य पर अंतिम निर्णय लेगा।

शिवसेना (यूबीटी) के सामने अब नया संकट, छिन सकता है संसद भवन का दफ्तर

नियम के मुताबिक दफ्तर पांच से ज्यादा सांसदों वाले दलों को ही मिलता है

नई दिल्ली। लोकसभा सांसदों की बगावत के बाद भी शिवसेना (यूबीटी) की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं। पार्टी को अब संसद में एक और बड़ा नुकसान हो सकता है। पार्टी के 6 सांसदों के शिवसेना (शिंदे) में विलय के बाद न सिर्फ उसकी संसदीय ताकत घटेगी, बल्कि संसद भवन परिसर में मिले उसके दफ्तर पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष की औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद शिवसेना (यूबीटी) के संसदीय दल में सिर्फ चार सांसद रह जाएंगे। संसद के नियम के मुताबिक आमतौर पर पांच या उससे ज्यादा सांसदों वाले दलों को ही संसद भवन परिसर में अलग दफ्तर आवंटित करता है। ऐसे में पार्टी को अपने वर्तमान कार्यालय से हाथ धोना पड़ सकता है।

सांसदों की संख्या घटने का असर राजनीतिक और संसदीय गतिविधियों में पार्टी की भागीदारी पर भी पड़ सकता है। अहम राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दों पर केंद्र सरकार की ओर से बुलाई जाने वाली सर्वदलीय बैठकों में आमतौर पर पांच से कम सांसदों वाले दलों को आमंत्रित नहीं किया जाता है। ऐसे में भविष्य में शिवसेना (यूबीटी) की इन बैठकों में मौजूदगी पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। फिलहाल शिवसेना (यूबीटी) के संसदीय दल का दफ्तर संविधान सदन यानी पुराना संसद भवन के कमरा नंबर 128ए में स्थित है। ये दफ्तर अविभाजित शिवसेना को आवंटित कमरे नंबर 128 के ठीक बगल में है। सांसदों की संख्या में संभावित कमी के बाद इस कार्यालय के आवंटन की स्थिति पर भी नजरें टिकी हुई हैं।

शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

-केरल हाईकोर्ट ने कहा- कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि
-गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खेद

मुंबई। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई हलकों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर बोला, और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था।

सीआरपीएफ ने डीआईजी को सस्पेंड किया

नई दिल्ली। सीआरपीएफ ने एक सीनियर डीआईजी-रैंक के अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने हाल ही में सीएपीएफ बिल पास होने के दौरान सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट शेयर किया था। इन फोर्सेज के कैडर अधिकारियों ने इस बिल को भेदभावपूर्ण बताया था। देश की 10 लाख जवानों वाली सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज में लीडरशिप की भूमिका निभाने वाले लगभग 15,000 कैडर अधिकारियों में से यह अपनी तरह का पहला मामला है। अधिकारियों ने बताया कि जिस अधिकारी पर कार्रवाई हुई है, वे अगरतला में फोर्स के त्रिपुरा सेक्टर हेडक्वार्टर में तैनात डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) बीसी पात्रा हैं। 1994-बैच के सीआरपीएफ कैडर अधिकारी पात्रा, फेडरल काउंटर-टेररिस्ट कमांडो फोर्स एनएसजी के साथ डेप्युटेशन पर काम करने के बाद अप्रैल में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) में लौटे थे। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच पूरी होने तक पात्रा को कुछ दिन पहले सीसीएस (सीसीए) रूल्स, 1965 के रूल 10 के सब-रूल (1) के तहत सस्पेंड कर दिया गया था।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में एसडीपीओ भी हटाए गए

पटना। बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले ने राजनीति, प्रशासन और पुलिस महकमे में हलचल बढ़ा दी है। बिलौती गांव में आयोजित होने वाली महापंचायत से ठीक पहले सरकार और पुलिस मुख्यालय ने कई अहम कदम उठाए हैं। पहले एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और अब जगदीशपुर के एसडीपीओ को पद से हटा दिया गया है।

पुलिस मुख्यालय ने जगदीशपुर के एसडीपीओ राजेश वर्मा को तत्काल प्रभाव से हटाकर अगले आदेश तक मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। उनकी जगह पंकज मिश्रा को नया एसडीपीओ नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार यह फैसला उच्चस्तरीय समीक्षा के बाद लिया गया है।

मां की शिकायत पर दर्ज हुई एफआईआर

मंगलवार को भरत तिवारी की मां द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर शाहपुर थाने में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार तथा एनकाउंटर में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों को नामजद किया गया है। परिजनों का आरोप है कि यह पुलिस मुठभेड़ नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या थी। हत्या समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे के बाद यह मामला और अधिक गंभीर हो गया है।

गौरतलब है कि भरत तिवारी के पैतृक गांव बिलौती में बुधवार को बड़ी महापंचायत बुलाई गई है। यह आयोजन कुंडेश्वर महादेव मंदिर के पास प्रस्तावित है। स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और समर्थकों के बड़ी संख्या में जुटने की संभावना है।

सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

-दिल्ली, पटना, भागलपुर और नोएडा समेत कई स्थानों पर कार्रवाई
-3 करोड़ से ज्यादा का फ्लैट, नकदी और कीमती सामान बरामद

पटना। बिहार के भवन निर्माण विभाग में तैनात सुपरिटेंडेंट इंजीनियर पवन कुमार के खिलाफ आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पटना, भागलपुर, नोएडा और नई दिल्ली समेत कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की संपत्ति, नकदी और कीमती सामान मिलने की जानकारी सामने आई है।

ईओयू की टीम बुधवार सुबह से पटना के कृष्णापुरी स्थित यमुना अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 305/बी में तलाशी अभियान चला रही है। यह तीन बेडरूम का फ्लैट है, जिसकी अनुमानित कीमत तीन करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। पवन कुमार पिछले कई वर्षों से इसी फ्लैट में रह रहे हैं।

इसके अलावा पटना स्थित उनके सरकारी कार्यालय, भागलपुर के तिलकामांझी क्षेत्र स्थित आनंदगढ़ कॉलोनी के आवास तथा अन्य परिसरों में भी अलग-अलग टीमों द्वारा जांच की जा रही है। जांच एजेंसी ने नोएडा के सेक्टर-75 स्थित फ्लैट और फार्म हाउस के साथ नई दिल्ली के द्वारका सेक्टर-10 स्थित आवास को भी छापेमारी के दायरे में लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तलाशी के दौरान अब तक करीब 5.15 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा सोने-चांदी के बर्तन, आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं के मिलने की भी जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसी इन संपत्तियों और निवेशों से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही है। पवन कुमार वर्तमान में भवन निर्माण अंचल-1, पटना में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनके परिवार में दो पुत्र हैं, जिनमें एक डॉक्टर है, जबकि दूसरा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा है।

ईओयू अधिकारियों के अनुसार, छापेमारी के दौरान प्राप्त दस्तावेजों, बैंक खातों, अचल संपत्तियों और निवेश संबंधी रिकॉर्ड का मिलान किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल विभिन्न शहरों में छापेमारी और दस्तावेजों की जांच जारी है। एजेंसी की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद संपत्तियों और निवेश से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा होने की संभावना है।

अभिषेक बनर्जी नहीं जा सकेंगे विदेश

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के लिए मुसीबतों का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी नेता की उस याचिका पर सुनवाई अगले हफ्ते सोमवार के लिए टाल दी है, जिसमें उन्होंने मेडिकल कारणों से विदेश जाने की इजाजत मांगी थी। इस मामले का जिक्र दिन में जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच के सामने किया गया था, लेकिन उन्होंने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस याचिका पर अगले हफ्ते बात की जाए। अभिषेक आंखों के इलाज के लिए एक हफ्ते के लिए विदेश जाना चाहते हैं। उन्होंने मंगलवार को विदेश जाने की अनुमति के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। अभिषेक के वकील ने जज से अपने मुवक्किल की अर्जी पर जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया। लेकिन जस्टिस भट्टाचार्य ने यह अर्जी खारिज कर दी। उन्होंने साफ किया कि लिस्टिंग लिस्ट में अभिषेक के मामले की संख्या के अनुसार होगी। जल्द सुनवाई नहीं हो पाएगी।

एअर इंडिया का विमान पाक एयरस्पेस में घुसा

अमृतसर। एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था। पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले 12 जून को पाकिस्तान की भी पैसेंजर फ्लाइट फ्लाई जिन्ना-9पी514 खराब मौसम के कारण भारतीय एयरस्पेस में घुस आई थी। लाहौर एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। हालांकि, तकनीकी गड़बड़ी का अंदेशा होते ही फ्लाइट को वापस पाकिस्तानी एयरस्पेस में लाया गया।

सेफ क्लिक 2.0 का आगाज, साइबर ठगी के खिलाफ जनजागरूकता की बड़ी मुहिम शुरू

अभियान का हुआ शुभारंभ, बालाघाट में साइबर जागरूकता रथ को दिखाई गई हरी झंडी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेशभर में साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सेफ क्लिक 2.0 अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर उन्होंने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए नागरिकों से डिजिटल लेन-देन और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जागरूकता ही साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने साइबर सुरक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप देने और समाज के हर वर्ग तक इसका संदेश पहुंचाने पर बल दिया।

इसी क्रम में बालाघाट जिले में भी अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट रेंज ललित शाक्यवार, उप पुलिस महानिरीक्षक विनीत कुमार जैन तथा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की उपस्थिति में साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की गई। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगा। पुलिस महानिरीक्षक ललित शाक्यवार ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाएं, ऑनलाइन लोन, सोशल मीडिया हैकिंग, ओटीपी फ्रॉड और क्यूआर कोड स्कैम जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि डिजिटल अरेस्ट नाम की कोई वैधानिक प्रक्रिया नहीं है। साइबर अपराधी स्वयं को पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और उनसे धन की मांग करते हैं। ऐसे किसी भी कॉल, वीडियो कॉल या संदेश पर विश्वास नहीं करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को सरकारी अधिकारी बताकर पैसे मांगता है या किसी मामले में कार्रवाई की धमकी देता है, तो तुरंत सतर्क हो जाएं और इसकी सूचना संबंधित एजेंसियों को दें। उन्होंने कहा कि किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक करना जरूरी है। बच्चे, युवा, महिलाएं, व्यापारी और वरिष्ठ नागरिक सभी साइबर अपराधियों के निशाने पर रहते हैं। इसलिए सभी को ऑनलाइन सुरक्षा से जुड़े नियमों और सावधानियों की जानकारी होना आवश्यक है। अभियान के तहत जिले के स्कूलों, महाविद्यालयों, आईटीआई, बैंक शाखाओं, एटीएम केंद्रों, कॉमन सर्विस सेंटरों, डाकघरों, अस्पतालों, ग्राम पंचायतों, महिला स्व-सहायता समूहों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों तथा विभिन्न शासकीय कार्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा साइबर चौपाल, नुक्कड़ नाटक, जनजागरूकता रैली, निबंध प्रतियोगिता, सोशल मीडिया अभियान, साइबर रन, साइबर मेला और प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी जाएगी। जिला पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक, क्यूआर कोड, ओटीपी शेयरिंग, फर्जी निवेश योजनाओं और डिजिटल अरेस्ट जैसी धोखाधड़ी से सतर्क रहें। साथ ही किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके। पुलिस प्रशासन का मानना है कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी हथियार है और सेफ क्लिक 2.0 अभियान के माध्यम से जिले के अधिक से अधिक लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाकर उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाएगा।

पद्मेश न्यूज़ की खबर से मिला सुराग

सोशल मीडिया बनी सहारा

जिला अस्पताल में भर्ती सड़क हादसे में घायल युवक की हुई पहचान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा-सिवनी मार्ग पर सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मिले अज्ञात युवक की आखिरकार पहचान हो गई। युवक की पहचान रोहित पिता सूरजलाल पटले 31 वर्ष ग्राम रटेगांव थाना लालबर्रा। निवासी के रूप में हुई है। परिजन जिला अस्पताल पहुंचकर युवक को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 जून की सुबह लालबर्रा-सिवनी रोड स्थित सिहोरा नाला के पास एक युवक गंभीर रूप से घायल एवं बेहोशी की हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला था। उसके पास एक स्कूटी भी खड़ी हुई थी। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में भर्ती कराया गया था।प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। जिला अस्पताल में भी चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिये थे।लेकिन परिजनों का पता नहीं चल पाने के कारण उसका उपचार जिला अस्पताल में ही जारी था। इधर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा इस युवक के परिजनों की तलाश करने का प्रयास किया जा रहा था जिन्होंने आसपास के गांव के अलावा थानों को भी सूचित किए थे।इसी बीच पद्मेश न्यूज़ द्वारा घायल अज्ञात युवक के संबंध में समाचार एवं फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए। सोशल मीडिया में खबर वायरल होने के बाद युवक को पहचानने वाले परिचितों ने उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई।सूचना मिलने पर रात्रि में परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने घायल युवक की पहचान रोहित पटले के रूप में की। इसके बाद परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर लेकर रवाना हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया और मीडिया की तत्परता की सराहना की जिसकी मदद से एक अज्ञात घायल युवक अपने परिवार तक पहुंच सका।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए पुलिस का जनजागरूकता अभियान

पावनी-मोहगांव तिराहे पर आमजन को किया जागरूक घरेलू हिंसा रोकथाम का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा लगातार जनहितकारी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में माननीय विशेष पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा) भोपाल, पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के निर्देशानुसार 24 जून 2026 को थाना मलाजखंड क्षेत्र अंतर्गत पावनी-मोहगांव तिराहे में विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने आमजन को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध एवं बालिकाओं की सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही लोगों को जागरूक करते हुए बताया गया कि समाज में महिलाओं का सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता संबंधी पोस्टर एवं फोटो चस्पा कर लोगों को कानून, सुरक्षा उपायों एवं महिला हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

थाना प्रभारी मलाजखंड धर्मेंद्र सिंह जाँनवार के निर्देशन में संचालित इस अभियान में सहायक उपनिरीक्षक सुलेखा मरकाम, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार धुर्वे, महिला आरक्षक मीणा, एसएसयू टीम के आरक्षक वेद प्रकाश, नरेंद्र पटले, रमेश परते एवं महिला एसएसयू जागेश्वरी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस विभाग का यह अभियान न केवल महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि समाज में विश्वास, सुरक्षा और संवेदनशीलता का सकारात्मक संदेश भी दे रहा है।

गरीबों की थाली हुई खाली, दीनदयाल रसोई पर लटका ताला

गंदगी और बदबू के कारण बंद हुई दीनदयाल रसोई, दो दिनों से जरूरतमंदों को नहीं मिल रहा पांच रुपए का भोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के अवंतीबाई चौक स्थित दीनदयाल रसोई योजना गंदगी और अव्यवस्था के कारण पिछले दो दिनों से बंद पड़ी है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत जरूरतमंदों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन रसोई बंद होने से गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार रसोई के समीप स्थित मटन मार्केट से निकलने वाला गंदा पानी और वहां से उठने वाली दुर्गंध लगातार समस्या का कारण बनी हुई है। बदबू और अस्वच्छ माहौल के चलते दीनदयाल रसोई का संचालन कर रहे निजी संचालक ने परेशान होकर फिलहाल रसोई का संचालन बंद कर दिया है। शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है, लेकिन लंबे समय से इस समस्या के समाधान की ओर ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप शासन की जनहितकारी योजना प्रभावित हो रही है और इसका खामियाजा जरूरतमंद लोगों को भुगतना पड़ रहा है। दो दिनों से रसोई बंद होने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कब तक गरीबों की थाली गंदगी के कारण खाली रहेगी और नगर पालिका इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाएगी। शहर में गरीब, श्रमिक और जरूरतमंद लोगों को मात्र पांच रुपए में पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही दीनदयाल रसोई योजना एक बार फिर अव्यवस्थाओं के कारण चर्चा में है। शहर के वार्ड क्रमांक 11 स्थित बूढ़ी रोड पर अवंतीबाई चौक के समीप संचालित दीनदयाल रसोई बीते दो दिनों से पूरी तरह बंद पड़ी हुई है। रसोई के मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ है, जिसके कारण रोजाना यहां भोजन करने आने वाले जरूरतमंद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को कम कीमत में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। लेकिन बालाघाट में इस योजना के संचालन को लेकर पहले भी कई बार विवाद और शिकायतें सामने आ चुकी हैं। इससे पूर्व भी अलग-अलग कारणों से रसोई का संचालन प्रभावित होता रहा है, जबकि शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बार रसोई बंद होने के पीछे जो कारण सामने आया है, उसने नगर पालिका की व्यवस्थाओं पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार रसोई के समीप स्थित मटन मार्केट से निकलने वाला गंदा पानी और वहां से फैल रही तीव्र दुर्गंध रसोई संचालन में सबसे बड़ी बाधा बन गई है। नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि रसोई पिछले दो दिनों से बंद है और इसकी प्रमुख वजह मटन मार्केट क्षेत्र की गंदगी है। कर्मचारियों के अनुसार मटन मार्केट से निकलने वाला दूषित पानी लगातार रसोई परिसर की ओर पहुंच रहा है। इसके साथ ही क्षेत्र में इतनी अधिक बदबू फैल रही है कि रसोई में कार्यरत कर्मचारियों के लिए काम करना मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे बन गए कि न तो कर्मचारी वहां लंबे समय तक रुक पा रहे थे और न ही भोजन करने आने वाले हितग्राही एवं जरूरतमंद लोग उस वातावरण में बैठकर भोजन करना पसंद कर रहे थे। इसी स्थिति को देखते हुए फिलहाल रसोई संचालन बंद कर दिया गया। रसोई बंद होने का सबसे अधिक असर उन गरीब और जरूरतमंद लोगों पर पड़ा है, जो प्रतिदिन यहां पांच रुपए में भोजन कर अपना पेट भरते थे। रसोई के बाहर ऐसे कई लोग पहुंचे, जिन्हें रसोई बंद होने की जानकारी नहीं थी। भोजन की उम्मीद लेकर पहुंचे जरूरतमंद लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। कुछ लोग लगातार रसोई के चक्कर लगाते हुए भी दिखाई दिए, लेकिन ताला बंद होने के कारण उन्हें भोजन नहीं मिल सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका समय रहते मटन मार्केट क्षेत्र की सफाई और जल निकासी व्यवस्था पर ध्यान देती तो यह स्थिति पैदा नहीं होती। उनका कहना है कि जिस स्थान पर गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, वहां स्वच्छता और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था होना आवश्यक है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि दीनदयाल रसोई का संचालन दोबारा कब शुरू होगा और जरूरतमंद लोगों को पांच रुपए में मिलने वाला भोजन कब तक उपलब्ध हो सकेगा। अभी तक नगर पालिका या संबंधित विभाग की ओर से रसोई शुरू करने की कोई निश्चित समय-सीमा सामने नहीं आई है। ऐसे में गरीब और श्रमिक वर्ग के लोगों को फिलहाल इस योजना का लाभ मिलने का इंतजार करना पड़ रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजना होने के बावजूद अव्यवस्थाओं के कारण रसोई का बार-बार बंद होना न केवल योजना के उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, बल्कि उन लोगों की परेशानी भी बढ़ाता है, जिनके लिए यह योजना किसी सहारे से कम नहीं है। अब जरूरत इस बात की है कि संबंधित विभाग जल्द से जल्द गंदगी और दुर्गंध की समस्या का समाधान कर रसोई का संचालन पुनः शुरू कराए, ताकि जरूरतमंदों को फिर से सस्ती और पौष्टिक भोजन सुविधा मिल सके।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक

कुपोषण मुक्ति, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं विभागीय समन्वय पर जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया। बैठक में उन्होंने दोनों विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्य सीधे तौर पर महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ा है, इसलिए दोनों विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारियों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों को संयुक्त रूप से क्षेत्र भ्रमण कर आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

बैठक में आंगनवाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों में कुपोषित एवं गंभीर कुपोषित (एसएएम) बच्चों की पहचान एवं उपचार की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एसएएम श्रेणी के बच्चों का शत-प्रतिशत चिन्हांकन कर उन्हें पोर्टल पर दर्ज करने तथा आवश्यकतानुसार पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कुपोषित बच्चों को निर्धारित उपचार एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। समीक्षा के दौरान खैरलांजी एवं किरनापुर परियोजनाओं में एसएएम बच्चों के चिन्हांकन की स्थिति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन आंगनवाड़ी भवनों को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, उनके निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र सुन्द्रियाल ने बताया कि जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषण संवर्धन के उद्देश्य से मुनगा (सहजन) के पौधे रोपित किए जाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी गर्भवती महिलाओं का अनमोल पोर्टल पर समयबद्ध पंजीयन तथा नियमित अंतराल पर एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कटंगी विकासखंड में एएनसी पंजीयन की प्रगति कम पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को विशेष प्रयास कर सुधार लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले की कोई भी गर्भवती महिला पंजीयन एवं आवश्यक स्वास्थ्य जांच से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

कलेक्टर श्री मीना ने सभी विकासखंडों के बीपीएम को विभागीय योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में टीबी मरीजों को पोषण किट का समय पर वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण उन्मूलन तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र सुन्द्रीयाल, सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक उपस्थित थी।

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 02 विद्यार्थियों को 80 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत कलेक्टर मृणाल मीना ने दो सफल अभ्यर्थियों को कुल 80 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मंजूर की है।

विकासखंड बिरसा के ग्राम अचानकपुर निवासी सुनील सोंनटके को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। वहीं मंडला जिले के निवासी श्री निखिल सैय्याम को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा दो बार सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर क्रमशः 40 हजार रुपये एवं 20 हजार रुपये, कुल 60 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। निखिल सैयाम का जाति प्रमाण पत्र बालाघाट जिले का होने के कारण उसे बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा यह राशि स्वीकृत की गई है। दोनों अभ्यर्थियों को कुल 80 हजार रुपये की राशि कलेक्टर मृणाल मीना की स्वीकृति के बाद जनजातीय कार्य विभाग

की सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर द्वारा नियमानुसार उनके बैंक खातों में भुगतान किए जाने की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई है।

जिला प्रशासन एवं जनजातीय कार्य विभाग ने दोनों सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही जिले के अन्य युवाओं से भी सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में भाग लेकर सफलता अर्जित करने और प्रशासनिक सेवाओं में योगदान देने का आह्वान किया है। यह पहल युवाओं को उच्च प्रशासनिक सेवाओं की ओर प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै लालचंद राहंगडाले उम्र 36 वर्ष पिता श्री नेतलाल राहंगडाले जाति पंवार, निवासी वार्ड नं. 06 ग्राम भालेवाडा पोस्ट चरेगाँव तहसील व जिला-बालाघाट (म.प्र.)। मै शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों में उसका नाम जिगर राहंगडाले पिता श्री लालचंद राहंगडाले अंकित है जो कि सत्य एवं सही है।

जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड जिसका आधार नं. 3098 0693 7738 है जिसमें जावेद राहंगडाले अंकित है जो कि त्रुटिवश गलत है। मेरे पुत्र का सत्य एवं सही नाम जिगर राहंगडाले पिता श्री लालचंद राहंगडाले है।

अतः भविष्य में भी मेरा पुत्र जिगर राहंगडाले पिता लालचंद राहंगडाले के नाम से जाना पहचाना जायेगा।

मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य एवं सही है। यदि किसी प्रकार की गलत जानकारी पाई जाती है तो उसकी जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ता
लालचंद राहंगडाले
पिता श्री नेतलाल राहंगडाले
वार्ड नं. 06 ग्राम भालेवाडा पोस्ट चरेगाँव
तहसील व जिला-बालाघाट(म.प्र.)

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर
दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है
उत्कर्ष कम्प्युटर लालबर्रा में
• कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
• स्टेनो टीचर्स - 02 पद
• टैली टीचर्स - 02 पद
• ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पर्क
बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-उत्कर्ष कम्प्युटर
पंवार मंगल भवन के पास, सिवनी रोड लालबर्रा
7691909255, 9424663575

आवश्यकता है
आराध्या कम्प्युटर में
• कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
• स्टेनो टीचर्स - 02 पद
• टैली टीचर्स - 02 पद
• ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पर्क
बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-आराध्या कम्प्युटर
मोतीनगर, गौरव पथ रोड, बालाघाट
7691909255, 8889326305

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

कीटनाशक दवाई के सेवन से बुजुर्ग कृषक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवरगांव कला निवासी 70 वर्षीय तिलकचंद पिता राजाराम बिसेन की कीटनाशक दवाई के सेवन से मौत हो गई। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल लाया जा रहा था। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिये। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक तिलकचंद बिसेन बिसेन खेती किसानी का कार्य करते थे। उनके परिवार में एक बेटा और तीन बेटियां हैं। तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है। तिलकचंद अपने पत्नी, बेटे, बहू और नातियों के साथ रहते थे।बताया गया कि 23 जून को तिलकचंद घर पर ही मौजूद थे। जबकि उनका बेटा महेश बिसेन किसी काम से बाहर गया हुआ था। दोपहर के समय अचानक तिलकचंद की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें घबराहट होने लगी। सूचना मिलने पर बेटा महेश घर पहुंचा और परिजनों ने उन्हें गांव के ही एक डॉक्टर को दिखाया। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें बालाघाट ले जाने की सलाह दी।इसके बाद तिलकचंद को बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों ने बताया कि उन्होंने किसी जहरीली वस्तु का सेवन किया है। हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें गोंदिया रेफर करने की सलाह दी गई।लेकिन तबीयत अधिक बिगड़ने पर रात करीब 11 बजे उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।24 जून को जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल तिलकचंद ने किन कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन किया। इसका खुलासा नहीं हो पाया है। मामले की आगे मर्ग जांच किरनापुर पुलिस द्वारा की जाएगी।

जब कलेक्टर, एसपी से पुनः परीक्षा नही ली जाती तो शिक्षक दोबारा परीक्षा क्यो दे?

- **मानसून सत्र में अध्यादेश लाकर टीईटी परीक्षा रद्ध सरकार**
- **शिक्षक संयुक्त मोर्चा सांसद को सौंपा ज्ञापन, टीईटी परीक्षा रद्द करने की करी मांग**
- **कहा- हम परीक्षा से नहीं डरते है लेकिन यह हमारे आत्मसम्मान से जुड़ा मामला है**

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी कर 2011 के पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देना अनिवार्य किया है।सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद शिक्षकों में नाराजगी है। यही कारण है कि वह लगातार इसका विरोध कर रहे है, अब शिक्षकों ने केन्द्र सरकार से मानसुन सत्र में कोर्ट के परीक्षा आदेश को रद्ध करने को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपा है और विश्वास जताया कि शिक्षकों के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए सरकार अध्यादेश लाकर लाखो शिक्षकों को राहत देगी। जिसको लेकर बुधवार को मुख्यालय में सांसद निवास पर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय संयोजक परमानंद डहेरिया और गिरधारी ठाकरे की अगुवाई में सांसद भारती पारधी को ज्ञापन सौंपा।जिसमे उन्होंने शिक्षको के लिए अनिवार्य की गई इस पुनः परीक्षा को तत्काल रद्द करने की मांग की।उन्होंने स्पष्ठ किया कि जब कलेक्टर बनने के बाद उस कलेक्टर से आईएएस के पुनः एग्जाम नही लिए जाते एसपी बनने के बाद एसपी से आईपीएस की पुनः परीक्षा नही ली जाती तो फिर परीक्षा पास कर शिक्षक बनने के बाद उनसे पुनः परीक्षा क्यो ली जा रही है।उधर सांसद भारती पारधी ने शासन को पत्र लिखकर इस मांग से अवगत कराने और

शिक्षकों की हर सम्भव मदद किए जाने का भरोसा दिलाया है ।

क्या है टीईटी परीक्षा

टीईटी यानी टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एक पात्रता परीक्षा है, जिसे शिक्षक बनने के लिए न्यूनतम योग्यता के रूप में माना जाता है। यह परीक्षा केंद्र स्तर पर सीटीईटी और राज्य स्तर पर टीईटी के नाम से आयोजित होती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर पढ़ाने वाले शिक्षकों के पास आवश्यक शैक्षणिक और शिक्षण कौशल हों।

इसलिए शिक्षक इसका कर रहे विरोध

हाल के वर्षों में सबसे बड़ा विवाद उन शिक्षकों को लेकर है जो 2009 के शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून और टीईटी व्यवस्था लागू होने से पहले नियुक्त हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उन कार्यरत शिक्षकों के लिए भी टीईटी परीक्षा अनिवार्य की गई है।सँयुक्त मोर्चा पदाधिकारियो के अनुसार पुराने शिक्षकों पर नया नियम लागू करना गलत है,कई शिक्षक 20-30 वर्षों से पढ़ा रहे हैं।उनका कहना है कि नियुक्ति के समय टीईटी की शर्त नहीं थी, इसलिए अब इसे लागू करना अनुचित है।बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के अनुसार जिन शिक्षकों की सेवा में 5 वर्ष से अधिक समय शेष है, उन्हें निर्धारित अवधि में टीईटी पास करना होगा, अन्यथा सेवा पर असर पड़ सकता है।बताया गया कि 45-55 वर्ष या उससे अधिक आयु के कई शिक्षक है,जिनके लिए लंबे समय बाद प्रतियोगी परीक्षा देना आसान नहीं है।

शिक्षकों की गरिमा का सवाल है- गिरधारी ठाकरे

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रांतीय संगठन मंत्री गिरधारी ठाकरे ने बताया कि आज शिक्षकों की गरिमा का सवाल है, कलेक्टर, एसपी, एसडीएम और तहसीलदार, परीक्षा उत्तीर्ण करके ही, प्रशासनिक सेवा में आए है, क्या वह दोबार परीक्षा देंगे। शिक्षक परीक्षा से नहीं डरता है, हम डरते है तो आत्मसम्मान से। शिक्षकों की गरिमा होती है और शिक्षक ही पात्रता परीक्षा क्यों दे? आज टीईटी परीक्षा देने वाले शिक्षकों की उम्र 50 से 55 साल हो गई है। 30 से 35 साल का अनुभव है। हम चाहते है कि सरकार मानसुन सत्र में टीईटी परीक्षा को लेकर संशोधन बिल लेकर आए।

परीक्षा पास करके ही बने है शिक्षक अब टीईटी परीक्षा कराना गलत है- डहेरिया

वही पुनः परीक्षा के आदेश पर आपत्ति जताते हुए प्रांतीय संयोजक परमानंद डहेरिया ने बताया कि हम सांसदों को निवेदन ज्ञापन देने आए है कि वह मानसुन सत्र में टीईटी परीक्षा को लेकर बिल लेकर आए और टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करें। उन्होंने बताया कि जो भी शिक्षक है, वह शिक्षकों के विज्ञापन के अनुसार, योग्यता पूर्ति के बाद ही भर्ती हुए है। जिनकी टीईटी परीक्षा कराना गलत है।

आरोपों के बीच रामकुमार नगपुरे का पलटवार, बोले-

मुझे राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया जा रहा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में कांग्रेस महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष मधु गजभिए द्वारा पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे के खिलाफ कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद अब इस मामले ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। शिकायत के आधार पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद 24 जून को रामकुमार नगपुरे ने प्रेस वार्ता आयोजित कर अपनी बात मीडिया के सामने रखी और अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया। प्रेस वार्ता में रामकुमार नगपुरे ने कहा कि उनके खिलाफ जिस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं, वह पूरी तरह एकतरफा हैं और मामले के सभी पहलुओं को सामने नहीं लाया गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने संबंधित महिला पदाधिकारी को पैसों के लेनदेन के संबंध में फोन किया था। उनके अनुसार जो ऑडियो रिकॉर्डिंग और बातचीत के अंश सार्वजनिक किए जा रहे हैं, उनमें पैसों को लेकर हुई चर्चा को छिपाया गया है और केवल उनके खिलाफ आरोपों को प्रमुखता दी जा रही है।

रामकुमार नगपुरे का कहना है कि फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग सबसे पहले उनकी ओर से नहीं किया गया था। उन्होंने दावा किया कि पहले उन्हें अपशब्द कहे गए, जिसके बाद उन्होंने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पूरे मामले को निष्पक्ष रूप से देखा जाना चाहिए और केवल एक पक्ष की बात के आधार पर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि कुछ लोग सुनियोजित तरीके से उनकी छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक रूप से बदनाम करने और उनके सार्वजनिक जीवन को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से यह पूरा मामला खड़ा किया गया है। उन्होंने कहा कि यह किसी विपक्षी दल की नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर के कुछ लोगों की साजिश हो सकती है, जो उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करना चाहते हैं। रामकुमार नगपुरे ने कहा कि पिछले वर्षों में हुए जनपद पंचायत चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि उस चुनाव में उनकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। इसके बावजूद कुछ लोग अब उस हार का ठीकरा उनके सिर पर फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने यह भी दावा किया कि उनसे पैसों की मांग की गई थी और जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया, तब उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। उन्होंने मधु गजभिए पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि वे स्वयं कई लोगों को प्रताड़ित करती हैं और पार्टी नेतृत्व को ऐसे मामलों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उनके खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है और वह कानून का सम्मान करते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच करने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, वही सच्चाई को उजागर करेंगे। फिलहाल यह मामला राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बना हुआ है। एक ओर महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं, तो दूसरी ओर रामकुमार नगपुरे ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। अब पूरे मामले में पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कटंगी रोड धानीटोला के पास दर्दनाक सड़क हादसा, कार की टक्कर से मोपेड सवार की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटंगी रोड स्थित ग्राम धानीटोला के पास हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए टीवीएस मोपेड सवार को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक फूलचंद मर्सकोले 62 वर्ष बंडल टोला ग्राम कोचेवाही थाना वारासिवनी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलचंद मर्सकोले खेती-किसानी के साथ साथ वारासिवनी स्थित गायत्री राइस मिल में ऑपरेटर के रूप में कार्यरत थे। उनके परिवार में एक बेटा और तीन बेटियां हैं, जिनमें से दो बेटियों की शादी हो चुकी है। उनका बेटा पोंटी मर्सकोले 24 वर्ष स्नातक की पढ़ाई कर रहा है।बताया गया कि फूलचंद प्रतिदिन अपने घर बंडल टोला से टीवीएस मोपेड के माध्यम से गायत्री राइस मिल वारासिवनी आते-जाते थे। रोज की तरह 24 जून की सुबह करीब 9 बजे वह अपने घर से काम पर जाने निकले थे। सुबह लगभग 9:39 बजे जब वह ग्राम धानीटोला के पास से

वारासिवनी की ओर जा रहे थे।तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी।दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि फूलचंद सड़क किनारे जा गिरे और उनके सिर एवं सीने में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद वह मौके पर ही बेहोश हो गएथे। घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने उनकी जेब से मोबाइल निकालकर परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद परिवार के सदस्य भी घटनास्थल पहुंच गए। गंभीर हालत में घायल फूलचंद को पहले वारासिवनी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। दोपहर करीब 12:30 बजे 108 एंबुलेंस के माध्यम से उन्हें जिला अस्पताल लाया गया।लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिये। बताया गया कि फूलचंद की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में मौत हो चुकी थी।जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित थाना वारासिवनी भेज दी है। मामले की जांच जारी है।

जिले भर में मनाया गया अमर शहीद वीरांगना रानी दुर्गावती का 462 वॉ बलिदान दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में बुधवार को आदिवासी समाज द्वारा अमर शहीद वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया।जहां 462 वे बलिदान दिवस पर जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर सजातीय बंधुओं ने उनके बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया।इसी कड़ी में सामाजिक बंधुओ द्वारा वारासिवनी रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक पहुंचकर अमर शहीद रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया।जहां उपस्थित बंधुओं ने रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को याद किया ,वही रानी दुर्गावती अमर रहे के नारे लगाए इस दौरान आदिवासी विकास परिषद द्वारा संक्षेप में संबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने वीरांगना रानी दुर्गावती जी के अदम्य साहस, त्याग, स्वाभिमान एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।सभी उपस्थित जनों ने उनके विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया तथा समाज में एकता, स्वाभिमान और सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो हमें साहस, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण की सीख देता है।पदाधिकारियों ने आदिवासियों के हक उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने व समाज की प्रगति व उन्नति के लिए कार्य करने की बात कही।वहीं पदाधिकारियों द्वारा आदिवासियों की विभिन्न समस्याओं का वर्णन करते हुए केंद्र और राज्य सरकार से उनके हितों की रक्षा किए जाने की मांग की गई है।

14वीं जूनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में बालाघाट के चार खिलाड़ी दिखाएंगे दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महाराष्ट्र के नाशिक स्थित इंदौर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 25 से 28 जून 2026 तक आयोजित होने वाली 14वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ी मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले के ओम सोनकर, सोहम बेरा, विहान बिसेन एवं आर्या राहंगडाले अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और जिले का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं। प्रतियोगिता का आयोजन नाशिक, महाराष्ट्र में किया जा रहा है।बालाघाट जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि जिले के चार खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश टीम में हुआ है। इन खिलाड़ियों ने जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई है। अब सभी की निगाहें इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां खिलाड़ी पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने का प्रयास करेंगे।इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बालाघाट के वरिष्ठ

पेंचक सिलाट प्रशिक्षक एवं तकनीकी अधिकारी प्रवीण नन्हेट भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्हें प्रतियोगिता में जज (निर्णायक) की भूमिका सौंपी गई है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक के रूप में उनकी नियुक्ति जिले और मध्यप्रदेश पेंचक सिलाट जगत के लिए सम्मान की बात है।

नाशिक के लिए टीम रवाना

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मध्यप्रदेश टीम 23 जून 2026 को बालाघाट से नाशिक, महाराष्ट्र के लिए रवाना हुई। टीम के साथ कोच एवं जज प्रवीण नन्हेट भी मौजूद रहे। खिलाड़ियों के प्रस्थान के अवसर पर खेल प्रेमियों, अभिभावकों एवं पेंचक सिलाट परिवार के सदस्यों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल जगत में उत्साह का माहौल है। जिले के खेल प्रेमियों का मानना है कि ओम सोनकर, सोहम बेरा, विहान बिसेन और आर्या राहंगडाले अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर बालाघाट को गौरवान्वित करेंगे।पेंचक सिलाट के क्षेत्र में बालाघाट लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिल रही है। सभी की उम्मीद है कि इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल करेंगे और मध्यप्रदेश का परचम राष्ट्रीय मंच पर लहराएंगे।

मप्र अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगतसिंह नेताम का दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगतसिंह नेताम 24 जून से 28 जून 2026 तक बालाघाट जिले के प्रवास पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान वे छात्रावासों का निरीक्षण करेंगे तथा विभिन्न सामाजिक एवं जनजातीय कार्यक्रमों में शामिल होकर जनजातीय हितों से जुड़े विषयों की जानकारी प्राप्त करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नेताम 24 जून की रात्रि 11 बजे भोपाल से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 25 जून को प्रातः 9 बजे जबलपुर से बिरसा एवं दमोह के लिए रवाना होंगे तथा रात्रि विश्राम दमोह में करेंगे।

26 जून को नेताम प्रातः 10 बजे से बैहर एवं बिरसा तहसील क्षेत्र के छात्रावासों का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वे स्थानीय कार्यक्रमों में भी सहभागिता करेंगे तथा जनजातीय समुदाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

27 जून को वे प्रातः 9 बजे दमोह से कारंजा (लांजी) के लिए प्रस्थान करेंगे। यहां वे भावराव देवरस संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रमों के उपरांत वे पुनः दमोह लौटकर रात्रि विश्राम करेंगे। दौरे के अंतिम दिन 28 जून को नेताम दमोह से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे तथा वहां से भोपाल रवाना होंगे।

ढूटी समूह नल-जल योजना में तकनीकी खराबी नहीं, नदी का जलस्तर घटने से बाधित हुई पेयजल आपूर्ति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की ढूटी समूह नल-जल योजना को लेकर समाचार पत्र में प्रकाशित खबर 卐जिले में जल जीवन मिशन वेंटिलेटर पर, 15 दिनों से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे 22 गांव (रियान वाटर कंपनी पर फूटा गुस्सा, ठेका रद्द कर ब्लैकलिस्टेड करने की मांग)卐 के संबंध में मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित, परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंडला ने तथ्यात्मक प्रतिवेदन जारी किया है। प्रतिवेदन के अनुसार विकासखंड बालाघाट के 20 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति के लिए वर्ष 2018-19 में पूर्ण हुई ढूटी समूह नल-जल प्रदाय योजना का संचालन एवं संधारण कार्य मेसर्स रियान वाटर टेक द्वारा किया जा रहा है। योजना से 13 जून 2026 तक नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति की जा रही थी। जल निगम ने स्पष्ट किया है कि 11 जून 2026 को योजना के वेनगंगा नदी स्थित इंटेकवेल की डाउन स्ट्रीम में निर्मित वीयर के गेटों को जल संसाधन विभाग द्वारा मरम्मत कार्य के लिए खोल दिया गया था। इसके परिणामस्वरूप नदी का जलस्तर इंटेकवेल के सबसे निचले पोर्ट से भी नीचे चला गया, जिससे 14 जून 2026 से पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन के सहयोग से वीयर के गेट पुनः बंद कराने की कार्रवाई की गई, लेकिन इसके बाद भी नदी का जलस्तर पर्याप्त नहीं बढ़ सका। जल निगम के अनुसार जब तक भीमगढ़ बांध से पानी छोड़ा नहीं जाता अथवा पर्याप्त वर्षा होने से नदी का जलस्तर नहीं बढ़ता, तब तक योजना से नियमित पेयजल आपूर्ति पुनः प्रारंभ करना संभव नहीं है। प्रतिवेदन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ढूटी समूह नल-जल योजना के संचालन एवं संधारण में किसी प्रकार की तकनीकी खराबी या लापरवाही नहीं पाई गई है। योजना का संपूर्ण तंत्र सुचारू स्थिति में है तथा पेयजल आपूर्ति केवल नदी में जलस्तर कम होने के कारण बाधित हुई है। मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित, परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंडला ने कहा है कि योजना के ठेकेदार मेसर्स रियान वाटर टेक की लापरवाही के कारण पेयजल आपूर्ति बंद होने संबंधी समाचार तथ्यहीन हैं।

दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला थाना बालाघाट पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को हरियाणा राज्य से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी वेद मिश्रा पिता दिलीप मिश्रा 38 वर्ष निवासी उत्तर प्रदेश निवासी है। पुलिस ने आरोपी को बालाघाट लाकर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी वेद मिश्रा नवरात्र में हवन पूजन करने बालाघाट आया था। इसी दौरान एक महिला ने उसके विरुद्ध दुष्कर्म एवं शोषण का आरोप लगाते हुए महिला थाना बालाघाट में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी।मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। महिला थाना पुलिस द्वारा उसकी संभावित ठिकानों पर लगातार तलाश की जा रही थी। हाल ही में पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी हरियाणा राज्य में छिपकर रह रहा है। सूचना मिलते ही महिला थाना की विशेष टीम हरियाणा रवाना की गई।हरियाणा में तलाश और पतासाजी के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी वेद मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे बालाघाट लाया गया।जहां पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया। अदालत के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है।

राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के 72 में से 39 कमरों की नीलामी संपन्न

2 नंबर की दुकान के लिए लगी 31 लाख की सबसे ऊंची बोली, बंद लिफाफे खोलकर तय हुए खरीददार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने नवनिर्मित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स के 72 कमरों (दुकानों) की नीलामी की प्रक्रिया 24 जून को बकोड़ा स्थित कृषि उपज मंडी कार्यालय में संपन्न हुई। एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल एवं तहसीलदार सहित प्रशासनिक अमले की कड़ी मुस्तैदी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्वक ढंग से पूरी की गई। लालबर्रा के हाई स्कूल रोड़ स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने कमरे (दुकान) के लिए 94 लोगों ने डीडी जमा किये थे। जिनके द्वारा बंद लिफाफे में आफसेट रेट से अधिक राशि भरकर मंडी प्रशासन को स्पीड पोस्ट कर भेजा गया था। जिसमें काम्पलेक्स के धरातल तल (ग्राउंड फ्लोर) की 37 एवं प्रथम तल की 2 दुकानों को मिलाकर कुल 39 कमरों के लिए 94 आवेदकों ने अपनी किस्मत आजमाई थी।

किस दुकान की लगी कितनी बोली?

बुधवार को प्रशासनिक अधिकारी एवं आवेदनकर्ताओं की उपस्थिति में बंद लिफाफों को खोला गया और किस कमरे के लिए कितनी अधिकतम राशि लगाई गई है उसे पढ़कर सुनाया गया। इसमें सबसे दिलचस्प आंकड़े सामने आये है कि दुकान नंबर 2 के लिए सबसे अधिक भारी-भरकम 31 लाख रूपये की बोली लगाई गई है। वहीं दुकान नंबर 6 के लिए 21 लाख रूपये की अधिकतम बोली आई है एवं शेष दुकानें भी 10 से 15 लाख रूपये के बीच की बोलियों में आवंटित की गई है। इस तरह से राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने धरातल एवं प्रथम तल के कमरे आफसेट रेट से अधिक बोली में व्यापारी एवं स्थानीयजनों ने लिया है। वहीं मंडी प्रशासन का कहना है कि आपसेट दर से अधिक राशि लगाने वाले आवेदकों को कमरे आवंटित कर दिये गये है। आगामी 10 दिनों के अंदर किसे कौन सा कमरा मिला है, इसकी आधिकारिक सूची जारी कर दी जायेगी। वहीं शेष बचे कमरों की नीलामी की प्रक्रिया आज से दो महीने बाद पुनः शुरू होगी।

आम लोगों की पहुंच से दूर, स्थानीय लोगों में मायूसी

राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद मंडी प्रशासन को भारी राजस्व की प्राप्ति तो हुई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर एक अलग चर्चा भी शुरू हो गई है। व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मंडी कॉम्पलेक्स का निर्माण स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की मंशा से किया गया था। किन्तु प्रशासन द्वारा तय की गई आफसेट दर काफी अधिक थी, जिसके कारण जरूरतमंद और मध्यम या गरीब वर्ग के लोग इन दुकानों को लेने से वंचित रह गये है। जबकि आफसेट प्राइस कम रहने के साथ ही ओपन बोली के तहत नीलामी की प्रक्रिया होनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा मंडी प्रशासन के द्वारा नही किया गया है, जो गलत है। जिस प्रकार से लाखों रूपये की बोलियां लगी हैं, उससे साफ है कि इन कमरों पर केवल बड़े व्यापारियों और पूंजीपतियों का ही कब्जा हो सका है।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव, फिर भी हुई नीलामी - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि जिस उद्देश्य के लिए इस मंडी कॉम्पलेक्स का निर्माण किया गया था, वह पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। नीलामी में इतनी भारी-भरकम बोलियां (30 से 40 लाख रूपये तक) लगाई गई हैं कि स्थानीय बेरोजगार युवाओं और छोटे व्यवसायियों के लिए यहां दुकान पाना नामुमकिन हो गया है। आफसेट प्राइस भी काफी अधिक रखी गई थी जो गलत है, जबकि आफसेट प्राइस कम होनी चाहिए ताकि मध्यम व गरीब व्यक्ति दुकान ले सके। यह नीलामी प्रक्रिया केवल बड़े पूंजीपतियों और रसूखदार व्यापारियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। श्री कुशवाहा ने बताया कि मंडी काम्पलेक्स में बने 72 कमरों की नीलामी प्रक्रिया के पूर्व कमरों का रंग-रोगन एवं मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, बुनियादी सुविधाओं का अभाव है बावजूद उसके मंडी प्रशासन के द्वारा आनन-फानन में नीलामी प्रक्रिया पुरी की ली गई है। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा एवं बालाघाट मंडी बोर्ड द्वारा नियमों को ताक पर रखकर यह नीलामी की गई है। इस मामले को लेकर हाईकोर्ट जायेगें।

39 कमरों की नीलामी प्रक्रिया संपन्न - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी लालबर्रा सचिव वायआर ठाकरे ने बताया कि राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी की प्रक्रिया बुधवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। 39 कमरों के लिए 94 लोगों ने आवेदन किये थे और अधिकतम बोलीदार को कमरे आबंटित किये जायेगें, जिसमें 2 नंबर की दुकान के लिए 31 लाख रूपये की अधिक बोली लगी है एवं अन्य दुकानें भी 10 लाख रूपये की अधिक बोली में गई है। श्री ठाकरे ने बताया कि बंद लिफाफे को खोलकर उपस्थित आवेदनकर्ताओं को सुनकर सुनाया गया और एक सप्ताह बाद किसे कौन सी दुकानें आबंटित की गई है उसकी जानकारी सार्वजनिक कर दी जायेगी एवं शेष 33 दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया दो माह बाद पुनः की जायेगी।

झामसिंह नागेश्वर बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय जनता पार्टी संगठन में आगामी संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रदेश नेतृत्व द्वारा बड़ी नियुक्तियां की गई हैं। इसी कड़ी में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार द्वारा 23 जून को विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्षों की आधिकारिक सूची जारी की गई। यह नियुक्तियां मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से की गई हैं। इस सूची में बालाघाट जिले से सक्रिय व ऊर्जावान नेता तथा वर्तमान जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का नया जिला अध्यक्ष नियुक्त कर एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं झामसिंह नागेश्वर की इस नियुक्ति की खबर आते ही जिलेभर के भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और उनके शुभचिंतकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि श्री नागेश्वर जमीन से जुड़े हुए नेता हैं और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज में उनकी अच्छी पकड़ है। उनके अध्यक्ष बनने से जिले में पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चे को नई मजबूती और ऊर्जा मिलेगी। वहीं भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि श्री नागेश्वर के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिले में विकास और संगठन विस्तार के नये आयाम स्थापित करेगा।

पूरी निष्ठा से उठाऊंगा पिछड़े वर्ग की आवाज - झामसिंह

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष झामसिंह नागेश्वर ने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस दायित्व का पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से निर्वहन करूंगा और पिछड़ा वर्ग से जुड़े विभिन्न अहम मुद्दों और जनहितैषी कार्यों को सरकार तक पहुंचाकर और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। श्री नागेश्वर ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार सहित जिले व प्रदेश के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

खमरिया और लालबर्रा कांग्रेस कमेटी की ब्लॉक स्तरीय बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के अध्यक्ष संजय उईके एवं जिला संगठन महासचिव शफकत खान के निर्देश पर नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में बुधवार को खमरिया एवं लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी की ब्लाक स्तरीय बैठक संपन्न हुई। यह बैठक विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे सहित कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के विचारों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही कांग्रेस पार्टी की जनहितकारी नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे ने उपस्थित सभी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों से कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने एवं आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का आव्हान किया है ताकि संगठन मजबूत हो सके। वहीं बैठक संपन्न होने के बाद विधायक श्रीमती मुंजारे जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला महामंत्री मनोहर अग्रवाल के निवास पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और समसामयिक राजनीतिक एवं संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान संगठन को मजबूती, जनहित के मुद्दों एवं क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विश्राम गृह में आयोजित खमरिया एवं लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस की बैठक में विधायक श्रीमती मुंजारे सहित खमरिया एवं लालबर्रा ब्लाक के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसीजन, युवा साथी, बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक अनुभा मुंजारे ने निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता पर उठाये सवाल

निर्माण कंपनी एवं विभागीय अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं तय समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने किया निर्देशित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत जानने एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण करने के उद्देश्य से बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा बुधवार को विभिन्न निर्माणाधीन एवं पूर्ण हो चुके विकास कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल एवं सड़क अधोसंरचना से संबंधित अनेक परियोजनाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान कई स्थानों पर कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल भी उठाये गये तथा संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस निरीक्षण के दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में जहां 2 करोड़ 24 लाख की लागत से निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षों का। लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी के ऊपर करीब 1 करोड़ 78 लाख रूपये की लागत के निर्माणाधीन पुलिया का भी निरीक्षण किया है। इसी तरह 9 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा के नवीन भवन का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित तकनीकी मानकों का गहन अवलोकन करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिये है कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये और निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया है। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि लालबर्रा विकासखंड अंतर्गत 77 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीण इस स्वास्थ्य केंद्र से लाभान्वित होंगे। नवीन भवन के निर्माण के पश्चात क्षेत्रवासियों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी तथा विशेष रूप से महिलाओं को प्रसव संबंधी समस्याओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स का किया निरीक्षण

लालबर्रा हाई स्कूल मार्ग पर करोड़ों रूपयों की लागत से बना राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स का विधायक श्रीमती मुंजारे ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हे उपस्थितजनों ने बताया कि राजाभोज काम्पलेक्स का निर्माण वर्ष 2023 में पूर्ण हो चुका था, लेकिन वर्ष 2026 तक इसका आवंटन नहीं हो पाया। जिस पर उन्होने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मंडी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा कि आखिर किन कारणों से इतने लंबे समय तक कॉम्पलेक्स का आवंटन नहीं किया गया। जिस पर उन्होने बताया कि शासन स्तर से विलंब हो रहा था किंतु 24 जून को मंडी कॉम्पलेक्स का आवंटन किया गया है।

खेल स्टेडियम की स्थिति को देखकर जताई नाराजगी

नगर मुख्यालय से करीब 2 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत पनबिहरी में वर्ष 2022-23 में लगभग 80 लाख रूपये की लागत से ग्रामीण खेल-कूद स्टेडियम का निर्माण किया गया है। लेकिन देख-रेख के अभाव में यह स्टेडियम जीर्णशीर्ण हो चुका है। बुधवार को विधायक श्रीमती मुंजारे ने जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पनबिहरी के खेल स्टेडियम का निरीक्षण किया। जहां की स्थिति को देखकर उन्होने नाराजगी व्यक्त की है। वहीं निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया गया कि निर्माण के कुछ वर्षों के अंदर ही खेल मैदान की उपयोगिता लगभग समाप्त हो चुकी है। खेल मैदान में कई स्थानों पर अव्यवस्थाएं देखने को मिलीं तथा वर्तमान में परिसर में अनैतिक गतिविधियों के संचालन की बात भी सामने आई। विभाग द्वारा अभी पंचायत को हैंड ओवर भी नहीं किया गया है उसके पूर्व ही उसकी उपयोगिता शून्य हो गई है। इस दौरान विधायक ने कहा कि न तो संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है और न ही निर्माण एजेंसी द्वारा गुणवत्तापूर्ण कार्य किया गया है। निरीक्षण में स्पष्ट रूप से पाया गया कि खेल मैदान का निर्माण निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप नहीं किया गया। जिस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विधायक ने शासन से मांग की गई कि खेल मैदान के निर्माण में व्यय की गई राशि की जवाबदेही तय की जाये तथा संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरूध्द कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में करोड़ो रूपयों के विकास कार्यों के निर्माण चल रहें है जिसकी गुणवत्ता एवं समय सीमा से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

एरियर्स की राशि निकालने के एवज में 4 हजार की रिश्वत लेते स्कूल का लेखापाल रंगे हाथों गिरफ्तार

वारासिवनी में जबलपुर लोकायुक्त ने की कार्यवाही

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत जबलपुर लोकायुक्त पुलिस की टीम ने बुधवार को एक और बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने वारासिवनी क्षेत्र के शासकीय उंचतर माध्यमिक विद्यालय कायदी में पदस्थ लेखापाल वोमेंद्र कुमार रोकड़े को 4000 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी लेखापाल स्कूल के ही एक सहायक शिक्षक से उनके एरियर्स की रुकी हुई राशि का भुगतान करने के एवज में इस रिश्वत की मांग कर रहा था।

यह है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता नरेंद्र कुमार डोहरे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी वेतन विसंगति से संबंधित जुलाई 2017 से दिसंबर 2023 तक की अवधि का कुल 94085 रूपये का एरियर्स स्वीकृत हुआ था। इस कुल राशि में से 66557 रूपये उन्हें पूर्व में प्राप्त हो चुके थे। जबकि शेष 27528 रूपये का भुगतान होना अभी बाकी था। आरोप है कि इस बकाया राशि को ट्रेजरी से निकालने और भुगतान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय के लेखापाल वोमेंद्र कुमार रोकड़े ने सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार से 4000 रूपये की रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित शिक्षक रिश्वत देने के पक्ष में नहीं थे जिसके कारण उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत लोकायुक्त संगठन जबलपुर से कर दी।

लोकायुक्त ने बिछाया जाल

शिकायत प्राप्त होने के बाद लोकायुक्त संगठन जबलपुर ने प्राथमिक तौर पर मामले का भौतिक सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान लेखापाल के द्वारा रिश्वत मांगे जाने की बात पूरी तरह सही पाई गई। इसके बाद भ्रष्टाचार विरोधी कार्यवाही को अंजाम देने के लिए पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश एवं पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में एक विशेष ट्रैप टीम का गठन किया गया। तय योजना के मुताबिक बुधवार को लोकायुक्त की टीम विद्यालय परिसर के आसपास तैनात हो गई। जैसे ही शिकायतकर्ता सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे ने विद्यालय के शिक्षक कक्ष में जाकर आरोपी लेखापाल वोमेंद्र कुमार रोकड़े को केमिकल लगे हुए 4000 रूपये के नोट सौंपे वैसे ही इशारा मिलते ही लोकायुक्त की टीम ने धावा बोल दिया। टीम ने आरोपी लेखापाल को रंगे हाथों पकड़ लिया। जब आरोपी के हाथ धुलवाए गए तो उनके हाथों का रंग गुलाबी हो गया जो रिश्वत लेने का पुख्ता वैज्ञानिक प्रमाण है। इस अचानक हुई कार्यवाही से स्कूल परिसर और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

लोकायुक्त टीम ने आरोपी लेखापाल वोमेंद्र कुमार रोकड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 की धारा 7, 13,1 बी और 13,2 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है। मौके पर कागजी कार्यवाही और मामले से जुड़े दस्तावेजों को जब्त करने की प्रक्रिया देर शाम तक जारी रही। इस पूरी सफल ट्रैप कार्यवाही में लोकायुक्त निरीक्षक राहुल गजभिए, ट्रैप लेइंग अधिकारी टी एलओ निरीक्षक जितेंद्र यादव समेत लोकायुक्त जबलपुर की टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे।

लोकायुक्त की जनता से अपील

इस कार्यवाही के बाद लोकायुक्त संगठन ने आम नागरिकों और शासकीय सेवकों से एक बार फिर अपील की है कि यदि कोई भी शासकीय अधिकारी या कर्मचारी किसी भी वैध काम के बदले रिश्वत पैसों की मांग करता है तो उसके दबाव में ना आएं। सजग नागरिक बनें और इसकी सीधे शिकायत लोकायुक्त कार्यालय में दर्ज कराएं। ताकि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

राशि निकालने के एवज में 4000 रूपये की मांग किया था-नरेंद्र डोहरे

आवेदक नरेंद्र कुमार डोहरे ने बताया कि कायदी स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ हूं। मेरा वेतन विसंगति का प्रकरण था जिसमें एरियर्स की राशि मुझे निकालना था । इसमें अधिकांश राशि मेरे द्वारा निकल गई थी 27000 करीब निकालने की बची थी। वह राशि दिलाने के लिए बाबू को कहा तो वह 4000 रूपये की मांग रहा था। मैंने उससे बहुत कुछ कहा परंतु उसने कहा कि 4000 रूपये लगते हैं ऊपर भी हमें देना रहता है। मेरे द्वारा 22 तारीख को लोकायुक्त में शिकायत की गई थी विभाग पर किसी को मैंने शिकायत नहीं किया था। 4000 रूपये आज मेरे द्वारा बाबू को दिए गए और स्कूल में ही लोकायुक्त ने उसे पकड़ लिया।

लेखापाल वोमेंद्र रोकड़े को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है-जितेंद्र यादव

लोकायुक्त इंस्पेक्टर जितेंद्र यादव ने बताया कि नरेंद्र कुमार डोहरे आवेदक है जो स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर कायदी स्कूल में हैं। उन्होंने शिकायत की थी कि लेखापाल वोमेंद्र रोकड़े रिश्वत मांग रहा है जिसकी पुष्टि करने के बाद हमारे द्वारा रिश्वत लेते समय रंगे हाथ पकड़ा गया है। उनके ऊपर कार्यवाही की जा रही है रिश्वत में 4000 रूपये ही मांगे गऐ थे।

गर्राटोला से झाड़गांव सड़क खस्ताहाल

राहगीरो का चलना हुआ दूभर सालभर से प्रशासन मौन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा के गर्राटोला से झाड़गांव पहुंच मार्ग की स्थिति वर्तमान में बेहद दयनीय और खस्ताहाल हो चुकी है। बीते करीब एक वर्ष से इस मार्ग की सुध लेने वाला कोई नहीं है ,जिसके कारण राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर उभरे गहरे गड्ढे और उधड़ती डामर की परतें अब राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन चुकी हैं। जिससे आए दिन इस मार्ग पर लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के चलते ग्रामीणों में अब आक्रोश पनपने लगा है।

डामर उधड़ा साइड शोल्डर कटे गड्ढों में तब्दील हुई सड़क

करीब ढाई किलोमीटर से अधिक लंबे इस डामर मार्ग की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि सड़क पर डामर का नामोनिशान कई जगहों से मिट चुका है। डामर की परतें उखड़ने के कारण सड़क के अंदर की गिट्टियां बाहर निकलकर पूरी राह में फैल गई हैं जिससे दोपहिया वाहनों के फिसलने का खतरा अत्यधिक बढ़ गया है। इसके साथ ही मार्ग के दोनों किनारों पर भारी कटाव होने से साइड शोल्डर बेहद नीचे चले गए हैं और मुख्य सड़क काफी ऊंची नजर आती है। ऐसे में विपरीत दिशा से आने वाले किसी वाहन को साइड देते समय गाड़ियां अनियंत्रित हो जाती हैं। यह मार्ग क्षेत्र की जीवनरेखा माना जाता है जिससे रोजाना सुबह से लेकर देर रात तक वाहनों का निरंतर दबाव बना रहता है। इस मार्ग का उपयोग झाड़गांव, मेढ़की, पदमपुर, बिटोड़ी और डोंगरमाली के ग्रामीण वारासिवनी मुख्यालय आने जाने के लिए करते हैं। रामपायली, मोहगांव, थानेगांव और लड़सड़ा सहित दर्जनों अन्य गांवों के लोग अपने दैनिक कार्यों खेती.किसानी और व्यापार के लिए इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। इस महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग से रोजाना ना केवल राहगीर और दोपहिया वाहन बल्कि बस ट्रक ट्रैक्टर जैसे भारी और छोटे.बड़े कमर्शियल वाहन भी चौबीसों घंटे गुजरते हैं। नियमानुसार निर्माण कार्यों के बाद समय समय पर संधारण मेंटेनेंस की जिम्मेदारी संबंधित विभाग या ठेकेदार की होती है। परंतु इस ढाई किलोमीटर के टुकड़े पर सालभर से ना तो कोई पैचवर्क गड्ढा भराई किया गया और ना ही इसकी मरम्मत की सुध ली गई। संबंधित अधिकारियों की इस कुंभकर्णी नींद का खामियाजा क्षेत्र की निर्दोष जनता को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए अब गर्राटोला से झाड़गांव, मेढ़की सहित आस.पास के तमाम ग्रामीणों और राहगीरों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि वर्तमान में तुरंत इसका डामरीकरण व मरम्मत कार्य शुरू करवाए या फिर इस मार्ग के नए सिरे से पुनर्निर्माण की स्वीकृति प्रदान करे ताकि क्षेत्र के हजारों लोग सुरक्षित आवागमन कर सकें और रोज रोज होने वाले हादसों पर पूर्ण विराम लग सके।

सड़क का डामर उखड़ गया है गिट्टी बाहर आ गई है लगातार दुर्घटनाएं होती रहती है-पृथ्वीलाल बघेले

ग्रामीण पृथ्वीलाल बघेले ने बताया कि यह जो सड़क है वह झाड़गांव, मेढ़की बिटोड़ी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लिए उपयोग की जाती है। सुबह से देर रात तक इसका उपयोग होता है रात के समय मार्ग में अंधेरा बना रहता है जिससे गड्ढे समझ नहीं आते हैं। यहां आने जाने में बहुत दिक्कत है यह डामर सड़क का डामर उखड़ गया है गिट्टी बाहर आ गई है लगातार दुर्घटनाएं होती रहती है। इस रोड़ का बनना अति आवश्यक है करीब 5 वर्ष इसके निर्माण को हो गया है और दो वर्ष से बहुत ज्यादा रोड़ की खराब स्थिति है। इस मार्ग से रामपायली,मोहगांव ,थानेगांव ,झाड़गांव ,मेंढ़की ,पदमपुर, लड्सडा और डोंगरमाली के लोग आना.जाना करते हैं। मार्ग पर कई लोग दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं।

यह सड़क पूरी तरह खराब और बर्बाद हो गई है-रेखचंद नगपुरे

ग्रामीण रेखचंद नगपुरे ने बताया कि यह जो सड़क है वह झाड़गांव से गर्राटोला की सड़क है अभी की स्थिति में यह सड़क पूरी तरह खराब और बर्बाद हो गई है। जगह जगह गड्ढे हो गए हैं और यह गड्ढे बहुत ज्यादा मात्रा में बने हुए हैं करीब 7 महीने से मार्ग की खस्ताहाल स्थिति बनी हुई है। अभी इस पर कोई काम नहीं चल रहा है कुछ वर्ष पहले करीब 4 साल सड़क को बने हो गए हैं पर आज तक कोई मरम्मत इसकी हुई नहीं है। ग्राम पंचायत में बीच में मरम्मत के रूप में गड्ढों में मुरूम डाली थी परंतु उससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा। यह रोड़ नया बनाना चाहिए 2 किलोमीटर अधिक की सड़क है हम लोगो के लिए यहां वारासिवनी बाईपास है वरना घूम कर जाना पड़ता है । यहां से बस ट्रक ट्रैक्टर सभी चलते हैं रोड़ भी सकरी है जो चौड़ी बनाई जानी चाहिए यातायात का दबाव बना रहता है।

सशक्त व जागरूक समाज के निर्माण में अपना योगदान अवश्य दें-कविता इवनाती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वाधान में 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून 2026 को न्यायाधीश श्रीमती कविता इवनाती के द्वारा व्यवहार न्यायालय में प्रात:काल 7 बजे विशेष योग एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में उपस्थित न्यायाधीश कमलेश मीणा प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण एवं अन्य वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षित योग शिक्षक एवं अधिवक्ता संतोष लिल्हारे के मार्गदर्शन में योग करवाया गया। आयोजित शिविर में आयुष मंत्रालय के द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, योगाभ्यास प्राणायाम एवं ध्यान करवाए गए। न्यायाधीश श्रीमती इवनाती ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे नागरिकों तक पहुंच कर उन्हें उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी है। योग सत्र के पश्चात अधिवक्ताओं, एवं उपस्थित जन को कानूनी सहायता योजनाओं जैसे मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के लिये योजना और उनके मौलिक अधिकारों की जानकारी दी गई। योग केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं है, बल्कि यह तनावमुक्त जीवन और मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक समग्र पद्धति है, जो न्यायपालिका और कानूनी बिरादरी से जुड़े लोगों के लिए भी अत्यधिक प्रासंगिक है। उपस्थित जन से अपील की कि वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं और स्वस्थ तन, शांत मन के साथ एक सशक्त व जागरूक समाज के निर्माण में अपना योगदान अवश्य दें। योग दिवस का आयोजन का लक्ष्य दुनिया भर के लोगों को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना और तनावमुक्त समाज के निर्माण में योग की भूमिका को बढ़ावा देना है। उक्त विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से न्यायालय के कर्मचारीगण, अधिवक्तागण एवं अन्य वरिष्ठ नागरिकगणों ने उपस्थित रहकर एवं योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर होने का संकल्प लिया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुई नवग्रह शनिदेव मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। निर्मल नगर रेलवे स्टेशन रोड़ वार्ड नं.6 स्थित नवनिर्मित प्रथम शनिदेव मंदिर में 22 जून से चल रहे त्रिदिवसीय भव्य श्री नवग्रह शनिदेव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बुधवार को पूर्णाहुति और विशाल महाप्रसादी के साथ गरिमामय समापन हुआ। विक्रम संवत् 2083 शाके 1948 द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी तिथि के पावन और शुभ मुहूर्त पर शास्त्रोक्त विधि से नवग्रहों के नूतन विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न की गई। अनुष्ठान के तीसरे व अंतिम दिन सुबह से ही मंदिर परिसर में भारी उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दैनिक पूजन और महायज्ञ के साथ हुई। इसके पश्चात विद्वान आचार्यों के सानिध्य में विग्रहों के लिए शय्याधिवास और न्यास प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच नवग्रहों के नूतन विग्रहों में प्राण फूंके गए। पं.गिरधारीलाल जोशी ने बताया कि यह वारासिवनी नगर का पहला ऐसा अनूठा मंदिर है जहाँ न्याय और कर्मफल के अधिष्ठाता भगवान शनिदेव के साथ साथ सभी नवग्रहों सूर्य, चन्द्रए मंगल,बुध, वृहस्पति, शुक्र, राहु और केतु की प्रतिमाएं एक साथ स्थापित की गई हैं। अब क्षेत्र के श्रद्धालुओं को सभी नवग्रहों के दर्शन और कृपा एक ही स्थान पर प्राप्त हो सकेगी। प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शाम 5 बजे से विशाल महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम शुरू हुआ। मंदिर परिसर में उमड़े श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसादी का यह दौर देर रात तक अविरल चलता रहा। इस ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में वार्ड नं.6 के समस्त निवासियों, स्थानीय धर्मप्रेमी बंधुओं और आयोजन समिति ने सक्रिय भूमिका निभाई।

आपातकाल का अंत कितना भयावह-लोकतंत्र की सबसे कठिन परीक्षा

25 जून 1975 की आधी रात का काला अध्याय कैसे कोई भूल सकता है? गर्मी, तपिश और आंधी ने तो जनमानस को पहले से ही झुलसा रखा था ऊपर से रेडियो पर आया संदेश से पूरा देश सकते में आ गया। आपातकाल न तो पढ़ा था न पहले कभी देखा था अचानक आए राजनीतिक तूफान ने देश में अफरातफरी मचा दी। देश में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विवादास्पद अध्याय माना जाता है। लगभग 21 महीनों तक चले इस दौर ने न केवल राजनीतिक व्यवस्था को झकझोर दिया, बल्कि नागरिक स्वतंत्रताओं, अभिव्यक्ति की आजादी और संवैधानिक मूल्यों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए। मार्च 1977 में जब आपातकाल समाप्त हुआ, तब देश ने राहत की सांस तो ली, लेकिन इसके पीछे छिपी पीड़ा, भय और लोकतांत्रिक संस्थाओं को हुई क्षति लंबे समय तक महसूस की गई।आपातकाल का अंत इसलिए भी भयावह कहा जाता है क्योंकि उस समय तक लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता काफी कमजोर हो चुकी थी। संसद, न्यायपालिका और मीडिया पर सत्ता का प्रभाव बढ़ गया था। जनता के अधिकार सीमित हो गए थे और भय का वातावरण बन गया था। लोगों को यह एहसास होने लगा था कि यदि लोकतंत्र में नागरिक अधिकारों की रक्षा न हो तो शासन निरंकुशता की ओर बढ़ सकता है। आपातकाल के दौरान प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गई थी। अखबारों को सरकारी अनुमति के बिना समाचार प्रकाशित करने की स्वतंत्रता नहीं थी। विरोधी नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया। हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को बिना मुकदमे के हिरासत में रखा गया। लोकतंत्र की आत्मा मानी जाने वाली अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लगभग समाप्त हो गई थी। आपातकाल के अंतिम चरण में सबसे अधिक आलोचना जबरन नसबंदी अभियान और झुग्गी-झोपडि?ों को हटाने की कार्रवाइयों को लेकर हुई। कई स्थानों पर प्रशासनिक दबाव में लोगों को नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। गरीब और कमजोर वर्ग इस नीति का सबसे बड़ा शिकार बना। इससे जनता में व्यापक असंतोष पैदा हुआ। अनेक परिवारों ने सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कष्ट झेले, जिसकी पीड़ा आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। आपातकाल का अंत इसलिए भी भयावह कहा जाता है क्योंकि उस समय तक लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता काफी कमजोर हो चुकी थी। संसद, न्यायपालिका और मीडिया पर सत्ता का प्रभाव बढ़ गया था। जनता के अधिकार सीमित हो गए थे और भय का वातावरण बन गया था। लोगों को यह एहसास होने लगा था कि यदि लोकतंत्र में नागरिक अधिकारों की रक्षा न हो तो शासन निरंकुशता की ओर बढ़ सकता है। हालांकि, मार्च 1977 के आम चुनावों ने भारतीय लोकतंत्र की ताकत को भी साबित किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री ने चुनाव कराने का निर्णय लिया और जनता ने मतदान के माध्यम से अपना फैसला सुनाया। पहली बार केंद्र में गैर-कांग्रेसी सरकार बनी और मोरारजी देसाई के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हुआ। यह लोकतंत्र की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण क्षण था।आपातकाल की समाप्ति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों से गहरा लगाव रखती है। सत्ता चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः जनता ही सर्वोच्च होती है।

भारतीय संस्कृति और दर्शन ने सदैव संतोष को सर्वोच्च गुण माना है

वैश्विक स्तरपर आज का युग अभूतपूर्व प्रगति, तकनीकी विकास और भौतिक सुविधाओं का युग है। मनुष्य के पास पहले की अपेक्षा अधिक संसाधन, अधिक अवसर और अधिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, फिर भी आश्चर्य की बात यह है कि संतोष, शांति और खुशी की कमी पहले से अधिक दिखाई देती है। इसका मुख्य कारण यह है कि मनुष्य की इच्छाएँ उसके साधनों और आवश्यकताओं से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। वह जो प्राप्त कर चुका है, उससे संतुष्ट होने के बजाय जो नहीं मिला है, उसकी चिंता में अपना वर्तमान खो देता है। वास्तव में जीवन का सबसे बड़ा सत्य यही है कि सच्ची खुशियाँ बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि अपने साधनों के अनुरूप जीवन जीने और सीमित इच्छाओं में संतोष खोजने में निहित हैं। आवश्यकता केवल इस सत्य को पहचानने और अपनाने की है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताएँ सीमित हैं, किंतु इच्छाओं का कोई अंत नहीं है। एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी जन्म ले लेती है। यह क्रम जीवनभर चलता रहता है। यही कारण है कि अनेक बार अत्यधिक संपन्न व्यक्ति भी मानसिक तनाव, चिंता और असंतोष से घिरा रहता है, जबकि सीमित साधनों वाला व्यक्ति भी संतोष और प्रसन्नता के साथ जीवन व्यतीत करता दिखाई देता है। यह अंतर धन या संसाधनों का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का है। जिसने संतोष का महत्व समझ लिया, उसने जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति प्राप्त कर ली।

साथियों, भारतीय संस्कृति और दर्शन ने सदैव संतोष को सर्वोच्च गुण माना है। हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है कि संतोष ही सबसे बड़ा धन है। यदि व्यक्ति के मन में संतोष है तो वह सीमित संसाधनों में भी सुखी रह सकता है, किंतु यदि संतोष नहीं है तो अपार धन-संपत्ति भी उसे खुश नहीं रख सकती। इतिहास में अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहाँ राजाओं और सम्राटों के पास असीमित वैभव था, फिर भी वे मानसिक शांति की तलाश में भटकते रहे। दूसरी ओर अनेक संत-महात्मा अत्यंत साधारण जीवन जीते हुए भी आनंद और आत्मिक संतुष्टि से परिपूर्ण रहे।वर्तमान समय में उपभोक्तावाद और प्रतिस्पर्धा ने इच्छाओं को और अधिक बढ़ा दिया है। विज्ञापन, सोशल मीडिया और दिखावे की संस्कृति ने लोगों के मन में यह धारणा पैदा कर दी है कि अधिक वस्तुएँ, अधिक धन और अधिक प्रतिष्ठा ही खुशी का आधार हैं। लोग अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने लगे हैं। किसी के पास नई कार है तो दूसरे को उससे बड़ी कार चाहिए, किसी के पास बड़ा घर है तो दूसरे को उससे अधिक भव्य घर चाहिए। इस अंतहीन दौड़ में व्यक्ति अपनी वास्तविक आवश्यकताओं और जीवन के मूल उद्देश्य को भूल जाता है। परिणामस्वरूप उसे न तो वर्तमान का आनंद मिलता है और न ही भविष्य की कोई निश्चित खुशी।

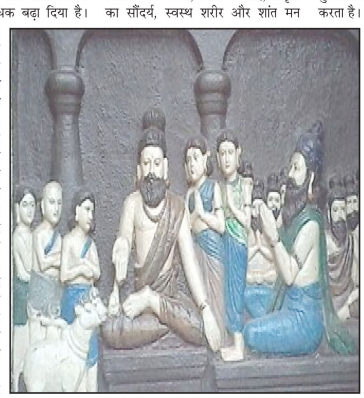

साथियो, इच्छाओं का अनियंत्रित विस्तार केवल मानसिक तनाव ही नहीं बढ़ाता, बल्कि आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। अनेक लोग अपनी आय से अधिक खर्च करने लगते हैं, ऋण के बोझ तले दब जाते हैं और फिर चिंता तथा अवसाद का शिकार हो जाते हैं। परिवारों में कलह, रिश्तों में दूरी और सामाजिक असंतुलन का एक बड़ा कारण भी यही असीमित इच्छाएँ हैं। जब व्यक्ति अपनी क्षमता से अधिक पाने की लालसा में जीने लगता है, तब उसके जीवन से संतुलन समाप्त होने लगता है।इसके विपरीत जो व्यक्ति अपने साधनों के अनुसार जीवन जीता है, वह मानसिक रूप से अधिक शांत और संतुलित रहता है। वह अपनी उपलब्धियों का आनंद लेता है और जो प्राप्त है उसके लिए कृतज्ञ रहता है। ऐसा व्यक्ति जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को भी महसूस कर पाता है। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों का स्नेह, प्रकृति का सौंदर्य, स्वस्थ शरीर और शांत मन उसके लिए अमूल्य संपत्ति बन जाते हैं। यही वास्तविक सुख है, जिसे धन से नहीं खरीदा जा सकता।

साथियो संतोष का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति महत्वाकांक्षी न बने या प्रगति का प्रयास छोड़ दे। संतोष और आलस्य में अंतर है। व्यक्ति को अपने विकास, शिक्षा, व्यवसाय और समाजसेवा के लिए प्रयास अवश्य करना चाहिए, किंतु उन प्रयासों के पीछे अंधी लालसा नहीं, बल्कि सकारात्मक उद्देश्य होना चाहिए। जब प्रयास और संतोष का संतुलन बन जाता है, तब जीवन में सफलता भी आती है और शांति भी बनी रहती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब इच्छाएँ हमारी आवश्यकताओं और क्षमताओं पर हावी हो जाती हैं।

विश्व के अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययनों ने भी यह सिद्ध किया है कि अत्यधिक भौतिकवाद व्यक्ति की खुशी को बढ़ाने के बजाय कम कर देता है। शोध बताते हैं कि एक सीमा तक आर्थिक सुरक्षा और सुविधाएँ जीवन को बेहतर बनाती हैं, लेकिन उसके बाद खुशी का स्तर मुख्यतः मानसिक संतोष, रिश्तों की गुणवत्ता और जीवन के उद्देश्य पर निर्भर करता है। अर्थात् खुशी का स्रोत बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। यदि मन संतुष्ट है तो साधारण परिस्थितियाँ भी सुखद लगती हैं, और यदि मन असंतुष्ट है तो सर्वोत्तम परिस्थितियाँ भी अपर्याप्त प्रतीत होती हैं।

साथियों, प्रकृति हमें संतुलन का संदेश देती है। पेड़ अपनी आवश्यकता भर जल और पोषण लेकर फल-फूल देते हैं। नदियाँ बिना किसी लालच के निरंतर बहती रहती हैं। सूर्य प्रतिदिन बिना किसी अपेक्षा के प्रकाश देता है। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें यह सिखाता है कि जीवन का सौंदर्य संतुलन और संयम में है। मनुष्य यदि इस संदेश को समझ ले तो उसका जीवन अधिक सरल, सुखी और सार्थक बन सकता है।परिवार और समाज में भी संतोष की भावना अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को बचपन से ही यह शिक्षा दी जानी चाहिए कि सफलता केवल धन अर्जित करने में नहीं, बल्कि अच्छे चरित्र, संतुलित जीवन और संतोषपूर्ण मानसिकता में निहित है। यदि नई पीढ़ी को केवल उपभोग और प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया जाएगा तो वह कभी संतुष्ट नहीं हो पाएगी। लेकिन यदि उसे कृतज्ञता, सादगी और संतोष के मूल्य सिखाए जाएँगे तो वह अधिक खुशहाल और जिम्मेदार नागरिक बनेगी।आज विश्व अनेक संकटों का सामना कर रहा है—पर्यावरण प्रदूषण, संसाधनों की कमी, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक असमानता। इन समस्याओं की जड़ में भी कहीं न कहीं मनुष्य की असीमित इच्छाएँ और अनियंत्रित उपभोग की प्रवृत्ति है। यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को समझकर सीमित उपभोग की आदत अपनाए, तो न केवल उसका व्यक्तिगत जीवन बेहतर होगा बल्कि समाज और पृथ्वी का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इस दृष्टि से संतोष केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि वैश्विक कल्याण का आधार भी है।जीवन में सच्ची खुशियों की पहचान करना अत्यंत आवश्यक है। अक्सर हम खुशी को भविष्य की किसी उपलब्धि से जोड़ देते हैं—जब अधिक धन मिलेगा, बड़ा घर बनेगा या कोई विशेष लक्ष्य पूरा होगा, तब हम खुश होंगे। लेकिन यह सोच हमें वर्तमान की खुशियों से दूर कर देती है। वास्तविक खुशी वर्तमान क्षण में जीने, जो प्राप्त है उसकी सराहना करने और अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने में है। खुशी कोई मंजिल नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है।

अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह कहा जा सकता है कि मनुष्य की इच्छाएँ जितनी सीमित होंगी और संतोष की भावना जितनी प्रबल होगी, जीवन उतना ही सुखमय बनेगा। अपने साधनों के अनुरूप जीवन जीना, अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से दूर रहना, उपलब्ध संसाधनों के प्रति कृतज्ञ होना और आत्मिक संतोष को महत्व देना ही वास्तविक समृद्धि है। सच्ची खुशियाँ महँगी वस्तुओं, भव्य भवनों या अपार धन-संपत्ति में नहीं, बल्कि उस संतुष्ट मन में छिपी होती हैं जो यह कह सके कि मेरे पास जो है, वह पर्याप्त है और मैं उसके लिए आभारी हूँ। इसलिए आइए, हम अपनी इच्छाओं को विवेकपूर्ण सीमा में रखें, अपने साधनों के अनुरूप जीवन जीना सीखें, तुलना और दिखावे की संस्कृति से दूरी बनाएँ तथा संतोष को अपने जीवन का आधार बनाएँ। तभी हम उस सच्ची खुशी को पहचान पाएँगे जो सदैव हमारे आसपास और हमारे भीतर मौजूद है, बस उसे देखने और महसूस करने की आवश्यकता है। यही जीवन का वास्तविक सुख, वास्तविक धन और वास्तविक सफलता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बंदूक के साये से परिवार की छांव तक नक्सल हिंसा की त्रासदी, मानवीय पुनर्वास और सभ्य समाज की जिम्मेदारी

–कांतिलाल मांडोत

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से सामने आई एक खबर केवल प्रशासनिक पहल या चिकित्सा उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह उस लंबे दर्दनाक अध्याय की याद दिलाती है जिसने हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। जिन लोगों ने वर्षों तक बंदूक, भय, हिंसा और अनिश्चितता के बीच जीवन बिताया, वे आज सामान्य पारिवारिक जीवन की ओर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी जैसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें विवाह तथा पारिवारिक जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि मानव गरिमा की पुनर्स्थापना का प्रयास है।

नक्सलवाद का इतिहास केवल सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच संघर्ष की कहानी नहीं है। इसके पीछे असंख्य ऐसे मानवीय दुख छिपे हैं जिनकी चर्चा अक्सर नहीं होती। जंगलों में सक्रिय संगठनों के कठोर अनुशासन के कारण व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध लगाए जाते रहे हैं। अनेक रिपोर्टों और अनुभवों में सामने आया है कि संगठन के भीतर प्रेम, विवाह और परिवार जैसी स्वाभाविक मानवीय भावनाओं को कमजोरी माना जाता था। कई लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध जीवन जीना पड़ा। ऐसे माहौल में व्यक्ति की पहचान एक इंसान के रूप में नहीं, बल्कि केवल एक लड़ाके के रूप में सीमित होकर रह जाती है।

जब किसी व्यक्ति से उसका पारिवारिक जीवन छीन लिया जाता है, तब केवल उसकी स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी प्रभावित होता है। परिवार मनुष्य के जीवन की सबसे मूलभूत सामाजिक इकाई है। माता-पिता बनने का सपना, जीवनसाथी के साथ सुख-दुख साझा करने की इच्छा और बच्चों के भविष्य को संवारने की आकांक्षा हर व्यक्ति के भीतर स्वाभाविक रूप से मौजूद रहती है। यदि किसी व्यवस्था या विचारधारा के कारण इन अधिकारों का दमन होता है, तो यह केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा पर भी आघात है। बस्तर में आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व नक्सलियों के जीवन में आए बदलाव इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। जो लोग कभी बंदूक उठाने को मजबूर थे, वे अब सम्मानजनक जीवन, रोजगार, परिवार और सामाजिक स्वीकृति की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। यह परिवर्तन दर्शाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मनुष्य के भीतर सामान्य जीवन की इच्छा कभी समाप्त नहीं होती। हिंसा का रास्ता अंतत: व्यक्ति को अकेलापन, भय और असुरक्षा ही देता है, जबकि समाज की मुख्यधारा उसे अपनापन और स्थिरता प्रदान करती है।

रिवर्स वासेक्टॉमी अभियान का मानवीय पक्ष विशेष रूप से उल्लेखनीय है। चिकित्सा विज्ञान का उपयोग यहां केवल एक शारीरिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन लोगों को जीवन की नई उम्मीद देने का माध्यम बन रहा है जिनसे कभी पितृत्व का अधिकार छीन लिया गया था। जब कोई पूर्व नक्सली अपनी गोद में अपने बच्चे को उठाता है, तो वह केवल एक पिता नहीं बनता, बल्कि हिंसा से शांति की ओर यात्रा का प्रतीक भी बन जाता है। यह दृश्य बताता है कि समाज में पुनर्वास और पुनर्समावेशन की प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है।

हालांकि इस पूरे प्रसंग का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां पैदा क्यों हुईं, जिनमें लोगों को अपनी प्राकृतिक इच्छाओं और अधिकारों से वंचित होना पड़ा। दशकों तक चले नक्सली संघर्ष ने केवल विकास को बाधित नहीं किया, बल्कि सामाजिक संरचना को भी गहरे घाव दिए हैं। अनेक परिवार टूटे, बच्चों ने माता-पिता को खोया, गांवों में भय का वातावरण बना रहा और विकास की प्रक्रिया प्रभावित हुई। हिंसा का सबसे बड़ा नुकसान यही होता है कि वह समाज के सामान्य जीवन को असामान्य बना देती है।

आज जब कुछ पूर्व नक्सली विवाह कर रहे हैं, बच्चे पैदा कर रहे हैं और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं, तब यह केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है। यह उन सभी प्रयासों की सफलता है जो शांति, पुनर्वास और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। किसी भी संघर्षग्रस्त क्षेत्र में स्थायी समाधान केवल सुरक्षा अभियानों से नहीं आता। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक स्वीकृति और मानवीय संवेदनाओं का भी उतना ही महत्व होता है। जब समाज किसी भटके हुए व्यक्ति को दूसरा अवसर देता है, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होता है।

इस संदर्भ में सभ्य समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को संदेह की दृष्टि से देखने के बजाय उन्हें नए जीवन की शुरुआत करने का अवसर दिया जाना चाहिए। यदि वे वास्तव में हिंसा छोड़कर शांति का मार्ग अपनाना चाहते हैं, तो समाज का दायित्व है कि वह उन्हें स्वीकार करे। पुनर्वास केवल सरकारी योजनाओं से पूरा नहीं होता, बल्कि सामाजिक स्वीकार्यता से ही सफल बनता है। रोजगार, शिक्षा और सम्मानजनक व्यवहार उनके आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं और उन्हें दोबारा हिंसा के रास्ते पर लौटने से रोकते हैं।

यह भी सच है कि जिन लोगों ने वर्षों तक बंदूक के साये में जीवन बिताया है, उनके मन पर गहरे मानसिक और भावनात्मक घाव होते हैं। उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सहयोग और सामाजिक समर्थन की भी आवश्यकता होती है। उनके अनुभव दर्द, भय और असुरक्षा से भरे होते हैं। ऐसे लोगों को सामान्य जीवन में लौटाने के लिए संवेदनशील और दीर्घकालिक प्रयास जरूरी हैं। समाज यदि उनके घावों को समझे और उन्हें नई पहचान बनाने का अवसर दे, तो पुनर्वास की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकती है।

बस्तर की यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निराशा के बीच आशा का संदेश देती है। यह बताती है कि हिंसा और संघर्ष की सबसे अंधेरी परिस्थितियों से भी जीवन की नई शुरुआत संभव है। जिन हाथों में कभी बंदूक थी, वे आज अपने बच्चों को दुलार रहे हैं। जिन लोगों के सामने कभी केवल संघर्ष और मृत्यु का रास्ता था, वे अब परिवार और भविष्य के सपने देख रहे हैं। यह परिवर्तन किसी भी सभ्य समाज के लिए सकारात्मक संकेत है।

अंतत: यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि हर व्यक्ति के भीतर एक सामान्य और सम्मानजनक जीवन जीने की आकांक्षा होती है। हिंसा उस आकांक्षा को दबा सकती है, लेकिन समाप्त नहीं कर सकती। इसलिए आवश्यक है कि समाज ऐसे दर्दभरे अध्यायों से सीख ले और उन लोगों को नई शुरुआत का अवसर दे जो संघर्ष की दुनिया से निकलकर शांति के मार्ग पर चलना चाहते हैं। बंदूक के साये में घटित मानवीय त्रासदियों से उबरने का सबसे प्रभावी तरीका यही है कि हम संवेदना, पुनर्वास और सामाजिक समावेशन को प्राथमिकता दें। तभी उन घरों में स्थायी खुशियां लौट सकेंगी, जहां कभी भय और असुरक्षा का अंधेरा पसरा हुआ था।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी-कब जागेगा तंत्र?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व हैड़ क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैंड़ इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त थाड़ क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया थाड़ क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थेड़ यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आएड़ और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ीड़ यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या हैड़ क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया हैड़ या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना हैड़। वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित हैड़ हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ हैड़ किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए। दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बड़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है। कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैंड़ प्रश्न है कि इन बड़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत हैड़ बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती हैड़ सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है।

जैसे-जैसे जीवन तेड़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बड़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चना बाजार सुधार पर रहे। उड़द-मूंग में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 6800 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में खसखस बाजार नरमी के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चने में बाजार बड़त पर रहे। चना बढ़िया मालों में 6100 रू. क्विंटल पर आ गया। उड़द व मूंग में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन 6800 रू. क्विंटल पर पहुंच गया। उधर, किराना बाजार में खसखस में मामूली लटक रही। शक्कर में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4220-4300, खोपरा गोला 380-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 800-825, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2000-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1370-1380, सोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1470, धूलिया 1470, कड़ी 1470,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1470, मुम्बई सोया 1455,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5950-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7450-7550, मीडियम 7650-7750, बोल्ड 7950-8150, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 231000, चॉंदी (99) 230800, टंच 230600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 145400,

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 37 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.37 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 94.74 पर बंद हुआ था। आज सुबह रुपया 94.90 पर खुला, जो मंगलवार के 94.74 रुपये के बंद भाव से 16 पैसे कमज़ोर हुआ। अमेरिक फेडरल रिजर्व के रेट बढ़ाने की उम्मीदों से डॉलर एक साल से ज़्यादा समय में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कम कीमतों और भारतीय रिजर्व बैंक के उपायों से भी रुपये को समर्थन मिला।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 790.54 अंक की तेजी के साथ 76,991.22 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 197.56 अंक बढ़कर 24,021.65 पर बंद हुआ। इससे निवेशकों को करीब दो लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ। बाजार की इस तेजी का कारण वित्तीय और आईटी सेक्टर के शेयरों में तेजी के साथ ही दुनिया भर से मिले अच्छे संकेत हैं । आज कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और ट्रेंट जैसे बड़े स्टॉक्स में तेजी रही। सेक्टोरल आधार पर आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंकों के शेयरों से बाजार को बढ़त मिली। वहीं मेटल, ऑटो

और मीडिया सेक्टर के शेयरों के नीचे आने से बाजार पर दबाव आया हालांकि व्यापक सूचकांकों में मिला-जुला रुख दिखा। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार शुरु होते ही आईटी और फार्मा शेयरों में खरीदारी से भी बाजार उछला। सेंसेक्स 200.34 अंक बढ़कर 76,401.02 के स्तर पर जबकि निफ्टी 38.65 अंक उछलकर 23,862.75 पर पहुंच गया। आज डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक उछले। दूसरी ओर व्यापक बाजार में मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप 0.04 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.12 फीसदी नीचे आये। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में करीब 1 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर निफ्टी मेटल, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी ऑटो इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और बातचीत की संभावना बनने से एशियाई बाजार ऊपर आया है।

अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी से बैंक में नकदी की कमी

नई दिल्ली। एजेंसी। बैंकिंग व्यवस्था में नकदी घाटे में चली गई है। इसके पहले 3 महीने अधिशेष की स्थिति थी। यह स्थिति मुख्य रूप से अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी के कारण हुई है। भारतीय रिज़र्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को शुद्ध नकदी की स्थिति 19,971 करोड़ रुपए घाटे में रही। 22 मार्च के बाद पहली बार ऐसी स्थिति आई है। इसकी वजह से मंगलवार को मौद्रिक नीतिक के लिए परिचालन लक्ष्य, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) बढ़कर 5.38 फीसदी हो गई, जबकि सोमवार को यह 5.33 फीसदी थी। नकदी की तंगी खत्म करने के लिए रिजर्व बैंक ने 7 दिन के वैरिएबल रेट रीपो (वीआरआर) नीलामी के माध्यम से मंगलवार को बैंकिंग व्यवस्था में 1.41 लाख करोड़ रुपए डाले हैं। वीआरआर नीलामी में बैंकों को बाजार द्वारा तय दरों पर सरकारी प्रतिभूतियों के बदले धन उधार लेने की अनुमति मिलती है। इससे केंद्रीय बैंक को कम अवधि के हिसाब से वित्तीय व्यवस्था में नकदी के प्रबंधन में मदद मिलती है। बाजार सहभागियों ने कहा कि नकदी की तंगी काफी हद तक तिमाही के अंत में अग्रिम कर भुगतान के कारण थी, जिससे सरकार के कैश बैलेंस में तेज वृद्धि हुई और बैंकिंग प्रणाली से धन की निकासी हुई। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री गौरा सेन गुप्ता ने कहा कि नकदी की कमी मुख्य रूप से अग्रिम कर और ज्यादा मुद्रा निकासी की वजह से हुई है। जैसे-जैसे महीने के अंत तक सरकारी खर्च में तेजी आएगी, नकदी अधिशेष की स्थिति में वापस आ जानी चाहिए। मुद्रा की निकासी ने भी तंगी में योगदान दिया। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में नकद निकासी ज्यादा रही।

एआई उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं-नीलेकणी

नई दिल्ली। एजेंसी। इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने कहा है कि इन्फोसिस जैसी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियों की प्रासंगिकता उनके ग्राहकों के लिए एआई को अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने में निहित है, जो नई तकनीक में निवेश और उससे मिलने वाले रिटर्न के बीच की खाई को पाटती है। एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में सुधार आया है। इनसे कई क्षेत्रों में कर्मचारियों की दक्षता बढ़ रही है और ये प्रक्रियाओं को कम करके सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्र को बढ़ा रही हैं। हालांकि प्रबंधन में बदलाव और बिखरे हुए डेटा जैसी समस्याओं के कारण कंपनियों में इसे लागू करना और अपनाना उम्मीद से ज्यादा मुश्किल है। नीलेकणी ने कंपनी की 45वीं सालाना आम बैठक में कहा कि हमारे बड़े उद्यम ग्राहकों में एआई अपनाने के संबंध में अंतर वास्तविक है और यही अंतर कम करने पर काम की जरूरत है। एआई हमारी जैसी कंपनियों की जगह नहीं लेगी। यह उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं और तेजी से बदलावों को अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कंपनियां बेहतरीन कोडिंग टूल अपना रही हैं और उत्पाद को बढ़ा रही हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्रम में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, क्योंकि किसी उद्यम में परिस्थिति सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि समाधानों को मौजूदा निवेशों के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। इस साल की शुरुआत से ही आईटी सेवा कंपनियों के बुरे दौर की चर्चा हो रही है, क्योंकि ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी फ्रंटियर मॉडल कंपनियां ऐसे बेहतरीन मॉडल पेश कर रही हैं जो कंपनियों के बहुत सारे कामों को स्वचालित कर देते हैं। नीलेकणी ने शेयरधारकों को वर्चुअली बताया कि एआई क्रांति ने पुरानी प्रणालियों के आधुनिकीकरण की जरूरत को पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना दिया है और ग्राहक दशकों से जमा हुए तकनीकी बोझ को खत्म करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। सॉफ्टवेयर को खरीदने के बजाय उसे खुद बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए समृद्धि और नई उम्मीदों की सौगात लेकर आया है। जिम्मेदारियां भले ही बढ़ती हुई महसूस हों, लेकिन आपके भीतर का आत्मविश्वास हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मन में आ सकता है, और यही कदम भविष्य में लाभ का कारण बनेगा। घर में मेहमानों की चहल-पहल से रौनक बनी रहेगी।

वृषभ- आज भाग्य आपकी मेहनत को पहचान दिलाने के मूड में है। समाज में आपके कार्यों की चर्चा होगी और सम्मान मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी समझदारी और अनुभव आज कई मुश्किल रास्तों को आसान बना देंगे। छोटी यात्रा का योग बन सकता है, जो केवल सफर नहीं बल्कि किसी लाभदायक अवसर का द्वार भी साबित हो सकती है। किसी की कही हुई बातों पर आंख बंद करके भरोसा न करें।

मिथुन- आज सितारे आपको संतुलन का महत्व समझाने वाले हैं। आय और खर्च के बीच तालमेल बनाकर चलेंगे तो मन भी शांत रहेगा और परिस्थितियां भी आपके अनुकूल होती जाएंगी। किसी यात्रा या मुलाकात के दौरान ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आगे चलकर बड़ा लाभ दे। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें। कार्यक्षेत्र में यदि कोई उलझन सामने आए तो जल्दबाजी से बचें।

कर्क- आज का दिन सफलता और सावधानी, दोनों का संदेश लेकर आया है। एक ओर कार्यक्षेत्र में उपलब्धि मिलने की संभावना है, तो दूसरी ओर स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। धन कमाने के मामले में सही मार्ग ही आपके लिए शुभ रहेगा। कोई ऐसा काम, जो लगभग पूरा हो चुका था, अचानक अटक सकता है, लेकिन धैर्य रखने से स्थिति संभल जाएगी। विदेश में शिक्षा या करियर का सपना देखने वालों को अच्छी खबर मिल सकती है।

सिंह- आज धैर्य ही आपका सबसे बड़ा हथियार साबित होगा। परिवार में कुछ छोटी-मोटी उलझनें मन को विचलित कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी हालात को संभाल लेगी। किसी को वादा करने से पहले सोच-विचार अवश्य करें। अधूरे कामों को टालना आज नुकसानदायक हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी सावधानी जरूरी है, विशेषकर यदि किसी को धन उधार देने की बात हो।

कन्या- आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम बढ़ाने की सलाह देता है। जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। कोई सरकारी कार्य लंबे समय से रुका हुआ था तो उसमें प्रगति देखने को मिल सकती है। हालांकि कुछ काम आखिरी समय में अटक भी सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। किसी नए व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करना उचित नहीं होगा।

तुला- आज योजनाबद्ध तरीके से किया गया हर प्रयास सफलता के करीब ले जाएगा। रियल एस्टेट या संपत्ति से जुड़े लोगों के लिए यह समय लाभकारी दिखाई दे रहा है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप साहस के साथ नए निर्णय ले पाएंगे। सरकारी योजनाओं में निवेश लाभदायक साबित हो सकता है।

वृश्चिक- आज कुछ लोग आपकी राह में बाधाएं खड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास और सूझबूझ उन्हें सफल नहीं होने देंगे। लंबे समय से चली आ रही किसी चिंता में राहत मिलेगी। संतान के भविष्य को लेकर मन में हल्की चिंता बनी रह सकती है, लेकिन जल्द ही सकारात्मक संकेत मिलने लगेंगे। स्वास्थ्य में, विशेष रूप से आंखों का ध्यान रखें।

धनु- आज आपकी वाणी ही आपका सबसे बड़ा आकर्षण होगी। लोग आपके व्यवहार और विचारों से प्रभावित होंगे। करियर में नए अवसर सामने आ सकते हैं और नई नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा, अन्यथा बाद में परेशानी महसूस हो सकती है। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचें।

मकर- आज व्यापार और करियर, दोनों क्षेत्रों में आपके लिए अच्छे संकेत दिखाई दे रहे हैं। आपके कार्यों की सराहना होगी और पहचान में वृद्धि होगी। हालांकि कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय पर अटक सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। समय और धन का सही उपयोग करना आज बेहद जरूरी रहेगा। आसपास के लोगों को परखने की जरूरत है, क्योंकि हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति आपका शुभचिंतक नहीं होता।

कुंभ- आज का दिन ऊर्जा, उत्साह और उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, और परिवार के साथ बिताए गए ये पल यादगार बन सकते हैं। ऑनलाइन कार्यों से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलने के संकेत हैं। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में अटकी हुई कोई डील पूरी होकर आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकती है।

मीन- आज खुशियां जैसे आपके दरवाजे पर दस्तक देने वाली हैं। दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार से हो सकती है, और लगातार सकारात्मक घटनाएं आपका उत्साह बढ़ाएंगी। पिता के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है, लेकिन संयम से स्थिति सहज हो जाएगी। वैवाहिक जीवन में छोटी बातों को बड़ा बनने से रोकना जरूरी होगा। यदि कोई गलती सामने आती है तो उसे स्वीकार करना ही रिश्तों को मजबूत बनाएगा।

शब्दजाल - 8300

शब्द जाल में 10 जंगली जानवरों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

शेर, लोमड़ी, सियार, भालू, खरगोश, अजगर, चीता, तेंदुआ, हिरण, नीलगाय

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

शब्दजाल - 8299 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.53 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	09.09 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.21 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.32 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.47 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	18.03 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.08 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.54 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.27 बजे से
		मेष	00.58 बजे से
		वृष	02.38 बजे से
		मिथुन	04.36 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 176 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 20.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 16.29 बजे को समाप्त।
योग शिव 10.54 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.09 बजे तदनन्तर विष्टि 20.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872751
जूलियन दिन 2461216.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रेम की भाषा

काशी के एक संत अपने आश्रम में शिष्य पारंगत के साथ रहते थे। उसने आश्रम में बीस साल रह कर ढ़ेर सारा ज्ञान अर्जित किया। एक दिन संत ने कहा, 'वत्स पारंगत, तुमने बहुत समय तक मेरी सेवा की है। इस अवधि में मेरे पास भी जो कुछ न था, वह सब मैंने तुम्हें सिखला दिया है। तुम और ज्ञान अर्जित करो इसलिए मैंने फैसला किया है कि तुम कुछ समय के लिए देशाटन जाओ। देश के तीर्थ स्थलों का भ्रमण करो और देश की अधिकाधिक भाषाएं सीख कर वापस आओ।' पारंगत देशाटन पर निकल पड़ा। कई वर्ष बीत गए उसे भ्रमण करते हुए। इस अवधि में उसने विभिन्न प्रदेशों का भ्रमण किया। देश की सभी भाषाएं भी सीखी और कुछ घन भी एकत्रित करके एक दिन आश्रम लौट आया। उसने सोचा कि गुरु जी को जब पता चलेगा कि उनका शिष्य आश्रम के लिए घन में कमा कर लाया है तो बहुत खुश होंगे। वह आश्रम में गुरु जी के पास गया। गुरु जी रुग्णावस्था में तख्त पर लेटे थे। गुरु को इस हालत में देश कर उसे एक बार दुख तो हुआ लेकिन उत्साह में उसने गुरु को प्रणाम करके कहा, 'गुरुवर, मैं देश की सभी भाषाएं सीख ली है और आश्रम में लिए धन कमा का भी लाया हूं।' संत शांत भाव से उसकी बातें सुनते रहे फिर बोले, 'वत्स, क्या तुम्हें कभी कोई ऐसा व्यक्ति भी मिला जो बेवश, लाचार होकर भी दूसरों की मदद कर रहा हो। क्या तुम्हें कोई ऐसी मां मिली, जो अपने शिशु को भूखा रोता देख कर अपना दूध रहित स्तन उसे पिला रही हो।' पारंगत ने कहा, 'ऐसे लोग तो हर जगह मिले थे।' गुरु ने कहा, 'क्या तुम्हारे मन में उनके लिए किसी तरह की सहानुभूति जगी थी। क्या तुमने प्रेम का एकाध शब्द उनसे कहे।' उसने कहा, 'गुरुवर, मैं इस झमेले में पड़ता तो आप के आदेश का पालन कैसे करता। मेरे पास इतनी फुर्सत नहीं थी कि मैं इस ओर ध्यान देता।' संत ने कहा, 'वत्स पारंगत, तुमने बहुत सारी भाषाएं तो सीख ली, धन भी कमाया लेकिन उस अमूल्य भाषा को नहीं सीख पाए जिसके लिए मैंने तुम्हें भेजा था। तुम अब भी प्रेम, करुणा और सहानुभूति की भाषा से वंचित हो। यदि ऐसा नहीं होता तो तुम दुखियों का दुख देख कर भी अनदेखा नहीं करते। यहां तक कि तुमने अपने गुरु को भी रुग्णावस्था में देख कर भी कुशल क्षेम जाने बिना अपनी कहानी सुनाने लगे।' पारंगत गुरु का भाव समझ गया और अज्ञानता के लिए क्षमा मांग कर उलटे पांव लौट कर अज्ञात दिशा की तरफ चला गया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7244

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7243

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7553

★★★ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7552 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8768

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8767 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

गायत्री शक्तिपीठ में मनाया गया गंगा दशहरा एवं गायत्री जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर के गायत्री शक्तिपीठ में 24 जून को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को गायत्री जयंती (गंगा दशहरा) एवं गुरूदेव पं.श्रीराम शर्मा आचार्य के परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में 3 कुण्डीय गायत्री यज्ञ कर मनाया गया। इस संबंध में शास्त्रों में ऐसा उल्लेख है कि इस दिन भागीरथ की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थी। तब से यह मान्यता चली आ रही है कि जो व्यक्ति इस दिन भक्ति भाव पूर्वक भागीरथी में स्नान करता है उसके दस तरह के पाप नष्ट हो जाते है, इसलिए इसे गंगा दशहरा भी कहा जाता है। दूसरा महत्व यह है कि ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि (2 जून 1990) को परमपूज्य गुरूदेव पं.श्रीराम शर्मा आचार्यजी का महापरिनिर्वाण हुआ था। इन दो महत्वपूर्ण तिथियों के कारण यह पर्व सनातन धर्मावलंबियों गायत्री परिवार से जुड़े लोगो द्वारा मनाया जाता है। पर्व के चलते गायत्री मंदिर लांजी में प्रात6 बजे से जप, ध्यान, साधना पश्चात 10 बजे से 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रारंभ किया गया जो कि 1.30 बजे तक चलता रहा।

नगर के गायत्री मंदिर में प्रमुख ट्रस्टी एवं गायत्री परिवार से जुड़े लोगो ने पहुंचकर यज्ञ में आहूतियां दी। इस दौरान श्रीमती आकांक्षा सुभाष आसटकर का पुंसवन संस्कार एवं कु.शिवि विजय सोनवाने एवं वेद अर्चना रहमतकर का विद्यारंभ संस्कार हुआ। गायत्री परिवार के ट्रस्टी यशवंत राव बनोठे, डॉ छबीलाल मरठे, धर्मेन्द्र सिंह बैस की टोली द्वारा यज्ञ सम्पन्न कराया गया। अंत में आरती पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के सभी ट्रस्टीगण, वरिष्ठ परिजन तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाई-बहन उपस्थित थे। जिनमें किशनलाल महेरबान, सूरजलाल बिलावर, शिव कुमार अग्रवाल, पी एल जैतवार, लिलेश्वर खानोरकर, रामदयाल बड़गैया, शोभादेवी वर्मा, रामदुलारी बड़गैया, सुमन आसटकर, व्यवस्थापक श्यामलाल पांडे, तहसील प्रभारी कवननलाल लिल्हारे, पुरोहित विनोद तिड़के, श्रीमती प्रमिला तिड़के, रामदयाल बड़गैया, हेनालाल नगपुरे, नरेन्द्र बनोठे, सुखचरण नेवारे, श्रीमती लीला मोरघडे, मीना कुंघाड़कर, ताराचंद भण्डारकर, संतोष श्रीवास, सुशीला रामटेककर, बबीता पशीने, कान्ता तिड़के, महेन्द्र बड़घैया, सालिकराम रामटेककर, छन्नूलाल दमाहे, श्रीमती नम्रता कबीरे, धनीराम सोनवाने, राजहंस टेंभरे, बेनीराम केवट, अनन्तराम सोनवाने, ममता तिड़के, अर्चना सहारे, मंजू नारंग, कु0 रोहिणी तिड़के, धारणा तिड़के, कैलाश रहमतकर, श्रीमती गीता रामटेककर, दुलीराम आसटकर, शैलेन्द्र विजयवार, इंदल सोनवाने, पारवती मतारे, टी.एल. कटरे, इशुलाल जांभरे, रामप्रसाद सोनवाने, यादोराव सोनटके प्रमुख रूप से उपस्थित थे। आगामी कार्यक्रम 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जायेगा।

आशीर्वाद बस सर्विस पर परिवहन विभाग की कार्यवाही

कई वर्षो से बगैर परमिट संचालन के लग रहे आरोप

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में अवैध रूप से बसों के संचालन को लेकर अनेकों बार शिकायतें प्राप्त हो रही है। जहां लगातार लांजी से हैदराबाद बसों के संचालन पर सवालियॉ निशान उठ ही रहे है वहीं लांजी में छत्तीसगढ़ राज्य से महाराष्ट्र होकर मध्यप्रदेश के लांजी में अवैध रूप से संचालित हो रही आशीर्वाद बस सर्विस पर भी अब सवाल खड़े हो रहे। बता दें कि 24 जून को परिवहन विभाग के उडऩ् दस्ता टीम के द्वारा आशीर्वाद बस क्रमांक सीजी 08 ए 0526 की जांच कर उसे पुलिस थाना लांजी की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। वर्तमान में किस संबध में उक्त संपूर्ण कार्यवाही हुई है यह ज्ञात नही हो पाया क्योंकि उडऩ् दस्ता प्रभारी से इस विषय पर चर्चा नही हो पाई थी। लेकिन विश्वनीय सूत्रो की माने तो उक्त बस विगत 3 से 4 वर्षो से लांजी डोंगरगढ़ के मध्य संचालित हो रही है जो कि तीन राज्यों में संचालन का विषय है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि बस संचालक के द्वारा शादी विवाह के परमिट पर बस संचालित कर रहे है, जिसकी भी जांच होनी चाहिये, और यदि यह विगत 3 से 4 वर्षो के बिना वैध परमिट के या दस्तावेजों के संचालन किया जा रहा है तो विगत 3 से 4 वर्षो का राजस्व वसुली की जांच उक्त बस की होनी चाहिये। कैसे इतने समय तक यह बस बिना परमिट के तीन राज्यों की सीमा पार कर संचालित हो रही थी? क्या किसी के संरक्षण पर यह संचालन किया जा रहा था? इसकी भी गंभीरता से जांच किया जाना चाहिये। वर्तमान में उक्त बस पुलिस थाना लांजी की अभिरक्षा में खड़ी है, जिसकी संपूर्ण जांच व उचित कार्यवाही उक्त बस पर होनी चाहिये।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड रैंकिंग में बालाघाट का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों के हित में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड में बालाघाट जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिला स्तरीय रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बालाघाट ने अप्रैल 2026 में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मई 2026 में तृतीय स्थान हासिल कर प्रदेश के शीर्ष तीन जिलों में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखी।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड के अंतर्गत किसान कल्याण एवं कृषि विकास, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन तथा सहकारिता विभागों के विभिन्न की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स (चक्क्षु) निर्धारित किए गए हैं, जिनके आधार पर जिलों का मूल्यांकन किया जाता है।

जारी रैंकिंग के अनुसार अप्रैल 2026 में बालाघाट प्रथम, झाबुआ द्वितीय एवं हरदा तृतीय स्थान पर रहा। वहीं मई 2026 में झाबुआ ने प्रथम, मंदसौर ने द्वितीय तथा बालाघाट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लगातार दो माह तक प्रदेश के शीर्ष तीन जिलों में स्थान बनाकर बालाघाट ने किसान कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस उपलब्धि पर बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना ने कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए इसे किसानों के हित में संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय तथा मैदानी स्तर पर किए गए सतत प्रयासों का परिणाम बताया है।

कलेक्टर श्री मीना द्वारा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि बालाघाट जिले ने मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में किसानों को ई-टोकन प्रणाली से उर्वरकों का वितरण, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं कृषि आदानों की उपलब्धता, सुपर सीडर तकनीक के माध्यम से धान की सीधी बुवाई को बढ़ावा, पराली प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती का विस्तार, उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने, दुग्ध उत्पादन संवर्धन हेतु कामधेनु एवं क्षीरधारा योजनाओं का क्रियान्वयन, मादा पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान एवं सेक्स-सॉर्टेड सीमन तकनीक का उपयोग, मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए तालाबों एवं जलाशयों में केज कल्चर की पहल तथा किसानों एवं पशुपालकों के किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण जैसे अनेक कार्य प्रभावी ढंग से किए गए हैं।

इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के फलस्वरूप बालाघाट जिला किसान कल्याण के क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हुआ है। कलेक्टर श्री मीना ने कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अमले की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आगामी महीनों में भी जिला उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए किसानों के हित में संचालित योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारेगा।

रेल यात्रियों को साइबर ठगी से बचाने जीआरपी का विशेष जागरूकता अभियान शुरू

24 जून से 8 जुलाई तक चलेगा अभियान, यात्रियों को दिए जा रहे सुरक्षा के टिप्स

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर के मार्गदर्शन में जीआरपी चौकी बालाघाट द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष साइबर जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा।जिसकी शुरुआत 24 जून बुधवार को बालाघाट रेलवे स्टेशन से की गई। अभियान के तहत रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को साइबर ठगी के नए तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे सतर्क रहने की अपील की जा रही है। जीआरपी चौकी बालाघाट के प्रधान आरक्षक राकेश गड़पाल ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी केवाईसी अपडेट, सोशल मीडिया हैकिंग और बैंकिंग फ्रॉड जैसी घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में लोगों का जागरूक होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान यात्रियों एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। साथ ही किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या लिंक पर विश्वास न करने, बैंक खाते और ओटीपी संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करने तथा साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी जा रही है।

जीआरपी द्वारा स्टेशन परिसर में पंपलेट वितरण, जनसंवाद एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रखना और साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।उधर अभियान के तहत प्रधान आरक्षक राकेश गड़पाल ने नागरिकों से अपील की है कि वे जागरूक रहें, सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की मुख्य परीक्षा का किया निरीक्षण

तकनीकी एवं परीक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, निष्पक्ष संचालन पर दिया जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत बी.एस.डब्ल्यू. (बैचलर ऑफ सोशल वर्क) एवं एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) की मुख्य परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रमानुसार संचालित की जा रही हैं। परीक्षाओं का शुभारंभ 22 जून से हुआ है तथा इन्हें दो पालियों में सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

बुधवार को प्रथम पाली में आयोजित एम.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष की परीक्षा के दौरान महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री अनिल कुमार शेंडे एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री सुरेंद्र भगत ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों का भ्रमण कर विद्यार्थियों की उपस्थिति, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रक्रिया तथा

परीक्षा की गोपनीयता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु किए गए प्रबंधों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने प्रश्नपत्रों, उत्तरपुस्तिकाओं एवं परीक्षा संचालन से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण करते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम समाजोन्मुखी एवं उत्तरदायी नेतृत्व तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे में इसकी परीक्षाओं का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई तथा सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित होती मिलीं। परीक्षा केंद्र पर विद्यार्थियों ने भी निर्धारित नियमों का पालन करते हुए उत्साह, अनुशासन एवं गंभीरता के साथ परीक्षा में सहभागिता दर्ज कराई।

मुख्य परीक्षा के सफल एवं सुचारु संचालन में परामर्शदाता अरविंद दरवाडे, श्री राज ब्यौत्रा, श्रीमती अंजू डोंगरे एवं श्रीमती शालू राऊत का विशेष योगदान रहा। उनके समन्वित प्रयासों से परीक्षा केंद्र पर अनुशासन, पारदर्शिता एवं व्यवस्थागत दक्षता सुनिश्चित की जा सकी। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा आगामी प्रश्नपत्रों की परीक्षाओं के लिए भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं, जिससे परीक्षाएं सुचारु, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सकें।

विशेष पिछड़ी जनजातियों की वनरक्षक भर्ती प्रक्रिया के तहत अभिलेख परीक्षण एवं पैदल चाल सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार विशेष पिछड़ी जनजातियों के अभ्यर्थियों की वनरक्षक पद पर सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत वन वृत्त बालाघाट में अभिलेख परीक्षण, शारीरिक माप एवं पैदल चाल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन वृत्त बालाघाट अंतर्गत नोडल कार्यालय दक्षिण सामान्य वनमण्डल बालाघाट में वनरक्षक पदों के लिए ऑफलाइन माध्यम से कुल 4314 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्रारंभिक परीक्षण के उपरांत पात्र पाए गए 175 अभ्यर्थियों को अभिलेख परीक्षण, शारीरिक माप एवं पैदल चाल हेतु कॉल लेटर जारी कर आमंत्रित किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के तहत 22 जून 2026 को वन क्षेत्रपाल महाविद्यालय परिसर, बालाघाट में अभिलेख परीक्षण एवं शारीरिक माप कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 51 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और उनके दस्तावेजों का सत्यापन तथा शारीरिक मापदंडों की जांच की गई। इसके पश्चात 23 जून 2026 को प्रात: 5-30 बजे से 9-30 बजे तक वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय बालाघाट परिसर में पैदल चाल परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में 47 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और सभी ने सफलतापूर्वक निर्धारित पैदल चाल पूर्ण की। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया शासन के निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं पारदर्शी व्यवस्था के तहत संपन्न कराई जा रही है। आगामी चरणों की कार्यवाही नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर होगा जबलपुर एयरपोर्ट, जल्द होगा 100 करोड़ के संस्थान का लोकार्पण – मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जबलपुर/भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और नारी शक्ति की अनुपम प्रतीक थीं। उन्होंने अपने जीवन और बलिदान से मातृभूमि, स्वाभिमान और जनकल्याण के लिए समर्पण का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसे देश सदियों तक याद रखेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को जबलपुर के नरई नाला स्थित रानी दुर्गावती की समाधि स्थल पर आयोजित 463वें बलिदान दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जबलपुर एयरपोर्ट का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखने के लिए केंद्र सरकार को

प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि रानी दुर्गावती को समर्पित 100 करोड़ रुपये की लागत से मदन महल के पास एक अत्याधुनिक संस्थान तैयार हो रहा है, जिसका लोकार्पण शीघ्र किया जाएगा। यह संस्थान नई पीढ़ी को रानी दुर्गावती के गौरवशाली इतिहास, संघर्ष और जनसेवा से परिचित कराएगा।

डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती ने गौंडवाना साम्राज्य के 52 गढ़ों पर शासन करते हुए जनता की सेवा और क्षेत्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने मुगलों के विरुद्ध संघर्ष कर वीरता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका शासनकाल गौंड साम्राज्य का स्वर्णिम युग माना जाता है, जिसमें जल संरक्षण, कृषि सुधार, बीज संग्रहण और फसल चक्रण जैसे दूरदर्शी कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में राज्य सरकार के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि अब शून्य ब्याज ऋण चुकाने की समय-सीमा को अधिक व्यावहारिक बनाया गया है। किसानों को भूमि अधिग्रहण पर चार गुना मुआवजा दिया जाएगा तथा विभिन्न किसान कल्याण योजनाओं का लाभ निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित जनप्रतिनिधियों ने भी रानी दुर्गावती के बलिदान और योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने समाधि स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वीरांगना रानी दुर्गावती, शहीद वीर नारायण तथा गौंड समाज के आराध्य देवता बड़ा देव का पूजन-अर्चन भी किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

संतान पालन अवकाश पर शिक्षिकाओं को बड़ी राहत

- ई-अटेंडेंस में अनुपस्थित नहीं मानी जाएंगी

भोपाल। सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने चाइल्ड केयर लीव (संतान पालन अवकाश) को लेकर लंबे समय से चली आ रही ई-अटेंडेंस संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है।

अब तक कई महिला शिक्षिकाओं को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ता था, जब उनका अवकाश विधिवत स्वीकृत होने के बावजूद ई-अटेंडेंस पोर्टल पर उनकी उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती थी। इससे वेतन, सेवा अभिलेख और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में परेशानी उत्पन्न हो रही थी। विभाग के संज्ञान में लगातार ऐसे मामले आने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

शिकायतों के निराकरण के लिए बनेगी विशेष समिति

नई व्यवस्था के तहत राज्य स्तर पर एक अभ्यावेदन निराकरण समिति गठित की गई है। जिन शिक्षिकाओं को ई-अटेंडेंस में अवकाश अवधि को लेकर किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, वे अपने आवेदन ई-मेल के माध्यम से समिति तक पहुंचा सकेंगी। समिति दस्तावेजों और अवकाश स्वीकृति की जांच के बाद पात्र मामलों में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करेगी।

जिलों को दिए गए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

डीपीआई ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि चाइल्ड केयर लीव से संबंधित प्राप्त होने वाले मामलों को बिना विलंब राज्य स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। विभाग चाहता है कि किसी भी शिक्षिका का मामला जिला स्तर पर लंबित न रहे और समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो।

केवल संतान पालन अवकाश के मामलों में राहत प्रदान

प्रदेश में लागू ई-अटेंडेंस प्रणाली के बाद से शिक्षक संगठनों और महिला शिक्षिकाओं द्वारा अवकाश संबंधी तकनीकी समस्याओं को लेकर लगातार मांग उठाई जा रही थी। विभाग ने इस संबंध में विशेष प्रविधान करते हुए केवल संतान पालन अवकाश के मामलों में राहत प्रदान की है।

नगर निगमों में जल्द नियुक्त होंगे एल्डरमैन

भोपाल-इंदौर समेत 16 नगर निगमों सहित 244 नगरीय निकायों में नियुक्त होंगे मनोनीत पार्षद

भोपाल। एमपी में हफ्ते भर में नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति हो सकती है। सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच मंथन पूरा हो चुका है। संभवतः इसी हफ्ते में बचे हुए निकायों में एल्डरमैन घोषित करने की तैयारी है। प्रदेश के करीब 244 नगरीय निकायों में मनोनीत पार्षदों यानी एल्डरमैन की नियुक्ति होना बाकी है।

एमपी के 16 नगर निगमों में 12-12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर जबलपुर सहित सभी नगर निगमों के एल्डरमैन के लिए संभावित नामों की लिस्ट जिला स्तरीय कोर ग्रुप में चर्चा के बाद प्रदेश संगठन को भेजे जा चुके हैं। दो बड़े शहरों में कुछ नामों पर चर्चा अंतिम दौर में है।

मार्च में 169 निकायों में नियुक्त हुए थे एल्डरमैन

मार्च में मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति के आदेश जारी किए थे। इन नियुक्तियों में विशेष रूप से नगर परिषदों और नगर पालिकाओं को कवर किया गया था, जिसका विवरण इस प्रकार है। वहीं एमपी में कुल 299 नगर परिषद हैं। इनमें से 28 मार्च को 123 नगर परिषदों में एल्डरमैन नियुक्त किए गए थे। तय फॉर्मूले के मुताबिक, प्रत्येक नगर परिषद में 4-4 एल्डरमैन मनोनीत किए गए। इस लिहाज से नगर परिषदों में कुल 492 एल्डरमैन बनाए गए थे। अब 176 नगर परिषदों में नियुक्तियां होना बाकी हैं। एमपी में कुल 98 नगर पालिका परिषद हैं। इनमें से मार्च में 46 नगर पालिकाओं में एल्डरमैन की घोषणा की गई थी। यहां के लिए प्रति नगर पालिका 6-6 एल्डरमैन का फॉर्मूला तय किया गया था, जिससे नगर पालिकाओं में कुल 276 एल्डरमैन नियुक्त हुए। अब 52 नगर परिषदों में एल्डरमैन नियुक्त होने बाकी हैं। यदि दोनों को जोड़कर देखा जाए, तो मार्च में हुई घोषणा के तहत कुल 768 एल्डरमैन नगर परिषद और नगर पालिका में नियुक्त किए गए थे। हालांकि, उस समय आपसी सहमति न बन पाने के कारण सागर को छोड़कर शेष बुंदेलखंड और चंबल संभाग के कई निकायों की सूची होल्ड पर रख दी गई थी।

मानसून सत्र के बाद हो सकता है मोहन कैबिनेट में बदलाव

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रियों की कार्यप्रणाली का आंतरिक मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई चर्चा के बाद मंत्रियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है। अब इन रिपोर्टों के आधार पर विधानसभा के मानसून सत्र के बाद मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, रिपोर्ट तैयार करते समय मंत्रियों के जिलों में प्रवास, विभागीय कार्यों की प्रगति, संगठन से समन्वय और प्रभार वाले जिलों में उनकी सक्रियता जैसे बिंदुओं को आधार बनाया गया। जानकारी मंत्रियों से प्राप्त विवरण और सरकार के फीडबैक सिस्टम के जरिए जुटाई गई। बताया जा रहा है कि कुछ मंत्रियों की रिपोर्ट अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही है, जबकि कुछ मंत्रियों का प्रदर्शन बेहतर माना गया है। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व रिपोर्टों की समीक्षा कर यह तय करेगा कि मंत्रिमंडल में किन चेहरों को बरकरार रखा जाए और किन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

जज, न्यायिक कर्मचारी के साथ वकील भी करें कार पुलिंग

भोपाल। पेट्रोल-डीजल के बढ़ते संकट के बीच मप्र हाई कोर्ट ने अहम कदम उठाते हुए एक सर्कुलर जारी किया है। इसमें जजों, न्यायिक कर्मचारियों के साथ ही वकीलों से भी कार-पुलिंग को बढ़ावा देने के साथ अन्य उपाय करने को कहा गया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया के निर्देश पर रजिस्ट्रार जनरल धर्मेन्द्र सिंह द्वारा यह सर्कुलर जारी किया गया है। इसमें बताया गया कि भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के 12 मई 2026 के ऑफिस मेमोरेंडम तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 मई को जारी सर्कुलर को ध्यान में रखते हुए सुझाव दिए गए हैं। इसका मकसद रजिस्ट्री अधिकारियों, वकीलों, मध्यप्रदेश हाई कोर्ट (जबलपुर और इंदौर व ग्वालियर बेंच) के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा जिला न्यायपालिका (जिसमें न्यायिक अधिकारी, वकील और स्टाफ शामिल हैं) द्वारा ईंधन की खपत को कम करना, साथ ही न्यायिक, प्रशासनिक और कोर्ट से जुड़े कामकाज को बिना किसी रुकावट के जारी रखना है।

ये हैं सर्कुलर के मुख्य बिंदु

-पुलिंग वाहनों का इस्तेमाल हाई कोर्ट और जिला अदालतों के न्यायिक और प्रशासनिक कामकाज से जुड़े जरूरी सरकारी कामों के लिए किया जाएगा।

-हाई कोर्ट और जिला अदालतों में एक ही या आस-पास के इलाकों में रहने वाले रजिस्ट्री अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी इसी तरह की वाहन-पुलिंग की व्यवस्था की जा सकती है।

-अदालती कार्यवाही में शामिल होने वाले वकीलों को जहां तक संभव हो, शेयर्ड ट्रांसपोर्ट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट या कार/टू-व्हीलर पुलिंग सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

-जरूरी मामलों, प्रोटोकॉल की जरूरतों, सुरक्षा चिंताओं, मेडिकल इमरजेंसी या अन्य अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर, अलग-अलग अधिकारियों या कर्मचारियों के लिए अलग-अलग वाहन लगाने से बचा जा सकता है।

-वाहनों की आवाजाही कम करने के लिए, जहां भी संभव हो, सरकारी बैठकें, प्रशासनिक चर्चाएं और वकीलों के साथ बातचीत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जा सकती है।

-उपलब्धता के आधार पर, ज्यादा इस्तेमाल होने वाले रूटों पर कर्मचारियों और वकीलों के लिए मिनी बस, ट्रैवलर या अन्य उपयुक्त वाहनों जैसी कॉमन ट्रांसपोर्ट सुविधाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

-वकीलों से अनुरोध/प्रोत्साहन किया जाता है कि वे ईंधन बचाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने मामले पेश करें, ताकि शारीरिक यात्रा को कम करके और ईंधन की कुल खपत को घटाकर राष्ट्रीय ऊर्जा-बचत निर्देशों का पालन किया जा सके।

बार में खुलेगा मनोरंजन का रास्ता

-111 साल पुराने आबकारी कानून में बड़े बदलाव की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में जल्द ही आबकारी व्यवस्था का चेहरा बदल सकता है। प्रदेश सरकार ब्रिटिश शासनकाल के दौरान बने 111 साल पुराने आबकारी कानून में व्यापक संशोधन की तैयारी कर रही है। वर्ष 1915 में लागू किए गए मध्यप्रदेश उत्पाद शुल्क अधिनियम के कई प्रावधान वर्तमान समय में अप्रासंगिक हो चुके हैं। बदलते सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक परिवेश को देखते हुए सरकार अब एक नया और अधिक प्रभावी कानून लाने पर विचार कर रही है। प्रस्तावित बदलावों का मुख्य उद्देश्य अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर सख्ती से रोक लगाना है। इसके साथ ही बार और लाउंज संस्कृति को नई दिशा देने के लिए लाइसेंस प्राप्त बार परिसरों में डांस, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुमति देने पर भी विचार किया जा रहा है। वर्तमान कानून में इस तरह की गतिविधियों पर प्रतिबंध है।

आबकारी विभाग के अधिकारियों का मानना है कि 1915 में बनाया गया कानून उस समय की परिस्थितियों के अनुरूप था, लेकिन आज शराब कारोबार, तस्करी के तरीके और मनोरंजन उद्योग पूरी तरह बदल चुके हैं। कानून की कई धाराएं ऐसी हैं जिनमें निर्धारित जुर्माने की राशि आज के समय में बेहद कम और अप्रभावी मानी जा रही है। यही कारण है कि सरकार आर्थिक दंड और सजा दोनों को अधिक कठोर बनाने की तैयारी कर रही है। कई मामलों में जुर्माने की राशि 10 गुना तक बढ़ाने पर विचार चल रहा है ताकि अवैध कारोबारियों में कानून का भय पैदा हो सके।

प्रमुख सचिव की समिति तैयार कर रही नया मसौदा

वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव अमित राठौर की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति नए आबकारी कानून का मसौदा तैयार कर रही है। पिछले एक सप्ताह में समिति की छह से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। समिति केवल मध्यप्रदेश की परिस्थितियों का ही अध्ययन नहीं कर रही, बल्कि उन राज्यों के कानूनों का भी विश्लेषण कर रही है जहां हाल के वर्षों में आबकारी कानूनों में बड़े बदलाव किए गए हैं। इन राज्यों के सफल प्रावधानों को नए कानून में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है।

वर्तमान उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 38 के तहत लाइसेंस प्राप्त शराब विक्रय परिसर में नाच-गाना, संगीत कार्यक्रम, जुआ या अव्यवस्थित गतिविधियों की अनुमति नहीं है। यदि कोई लाइसेंसधारी ऐसा होने देता है तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। सरकार अब इस धारा में बदलाव कर नियत्रिंत और निर्धारित शर्तों के तहत बार परिसरों में संगीत, लाइव बैंड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजन कार्यक्रमों की अनुमति देने पर विचार कर रही है।

भाजपा ने मंदिरों को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाया

- कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा

भोपाल। कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने बुधवार को कहा कि भाजपा ने पुजारियों के साथ मिलकर हर मंदिर को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। उन्होंने कहा कि चंपत राय जिस दिन पैदा हुए होंगे, उस दिन किसी पंडित ने उनकी कुंडली देखकर कहा होगा कि यह व्यक्ति कोई बड़ा चमत्कार जरूर करेगा। इसलिए करोड़ों-अरबों रुपए की राशि लेकर वे 'चंपत' हो गए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि राम मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में चारों शंकराचार्यों को नहीं बुलाया गया, जबकि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को धर्म का थोड़ा भी ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में बड़े-बड़े घोटाले चर्चा में हैं, लेकिन इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी का एक शब्द भी नहीं निकलता। इससे अच्छे तो मनमोहन सिंह थे। नरेंद्र मोदी असली 'मोनी बाबा' हैं और चोरों के सरताज बने बैठे हैं।

राम मंदिर चंदा चोरी की सीबीआई जांच हो

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कथावाचक ऋषि गोस्वामी ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के समय कांग्रेस की सरकार होती, तो वही राम मंदिर का निर्माण कराती। उन्होंने कहा कि 2024 में राम मंदिर बना और 2026 में मंदिर के दान से जुड़े 5 हजार करोड़ रुपए की कथित चोरी का मामला सामने आया। गोस्वामी ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के सभी मंदिरों में राजनीतिक दखल बंद किया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को लेकर हाई कोर्ट में सात बरस से चल रहा विवाद अब निर्णायक दौर में, सभी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई 15 जुलाई से

जबलपुर। मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को लेकर सात वर्षों से न्यायिक गलियारों में गूंज रहे बहुचर्चित विवाद ने बुधवार को एक और महत्वपूर्ण मोड़ लिया। हाई कोर्ट की विशेष युगलपीठ के समक्ष हुई सुनवाई में राज्य शासन ने अंतिम बहस की तैयारी के लिए समय मांगा, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने सभी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई 15 जुलाई से निर्धारित कर दी। प्रशासनिक न्यायमूर्ति आनंद पाठक व न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की विशेष युगलपीठ ने व्यवस्था दी कि 15 जुलाई को दोपहर 2.30 बजे से अंतिम सुनवाई प्रारंभ होगी। इसके बाद मामले की सुनवाई प्रतिदिन की जाएगी। कोर्ट का यह संकेत महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि वर्षों से लंबित इस संवेदनशील संवैधानिक विवाद को अब तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने की दिशा में गंभीर पहल की जा रही है। उल्लेखनीय है कि 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से संबंधित 91 याचिकाएं एवं संबद्ध प्रकरण विचाराधीन हैं। विवाद का सीधा संबंध राज्य की विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं, नियुक्तियों, चयन सूचियों और हजारों अभ्यर्थियों के भविष्य से है। यही कारण है कि प्रदेश का एक बड़ा वर्ग लंबे समय से इस मामले में अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा है।

अब निगाहें 15 जुलाई पर टिक गई हैं

अब निगाहें 15 जुलाई पर टिक गई हैं, जब बहुप्रतीक्षित अंतिम सुनवाई का श्रीगणेश होगा और संभवतः सात वर्षों से चातक-सी प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायिक प्रक्रिया की अगली स्पष्ट दिशा दिखाई दे सकेगी।

विभाग ने 1 साल में फूंके 1,085 करोड़

- आदिवासी क्षेत्रों के विकास कार्यों की रिपोर्ट 2 महीने बाद भी नहीं भेजी

भोपाल। मध्यप्रदेश में राजभवन के निर्देशों को सरकारी तंत्र द्वारा ठंडे बस्ते में डालने का मामला सामने आया है। राज्यपाल मंगू भाई पटेल द्वारा आदिवासी अंचलों में हुए विकास कार्यों को लेकर मांगी गई महत्वपूर्ण रिपोर्ट पर जल संसाधन विभाग पिछले दो महीनों से कुंडली मारकर बैठा है। इसे लेकर अब प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने आदिवासी और अनुसूचित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा किए गए विकास कार्यों की समीक्षा के लिए रिपोर्ट मांगी थी। इसके तहत अप्रैल महीने में राजभवन की तरफ से जल संसाधन विभाग की प्रमुख अभियंता को एक आधिकारिक पत्र भेजा गया था। पत्र में विशेष रूप से आदिवासी अंचलों में जल जीवन मिशन और पानी की आपूर्ति के संबंध में किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई थी। दो महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी विभाग के 116 मुख्य अभियंताओं ने अब तक यह रिपोर्ट राजभवन नहीं भेजी है।

सरकार और संचनालय के पत्रों को भी किया दरकिनार

राजभवन की अनदेखी के बाद जून महीने में जनजाति क्षेत्रीय विकास योजना के संचनालय के साथ-साथ मध्य प्रदेश शासन ने भी विभाग को इस संबंध में पत्र लिखकर जल्द रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अधिकारियों की तरफ से रिपोर्ट को लेकर कोई तत्परता नहीं दिखाई गई। इस पूरे मामले में जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर इसलिए भी बड़े सवाल उठ रहे हैं क्योंकि बजट खर्च करने में विभाग ने गजब की फुर्ती दिखाई है

बजट का 95 प्रतिशत हिस्सा खर्च

पिछले 1 साल के भीतर जल संसाधन विभाग ने आदिवासी क्षेत्रों में 38 परियोजनाओं पर अपने 116 अधिकारियों के जरिए करीब 1,085 करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं। विभाग 1 साल के भीतर आवंटित किए गए बजट का 95 प्रतिशत हिस्सा खर्च भी कर चुका है। राज्यपाल ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से पूछा था कि इन करोड़ों की परियोजनाओं से धरातल पर कितने हितग्राहियों (आदिवासी परिवारों) को वास्तविक लाभ मिला है। अब बजट तो लगभग पूरा साफ हो चुका है, लेकिन हितग्राहियों को लाभ मिला या नहीं, इसकी रिपोर्ट राजभवन को न भेजना विभाग की घोर लापरवाही और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

विकसित मप्र कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया

10 लाख करोड़ के एमओयू को जमीन पर लाई मप्र सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को निजी होटल में विकसित मध्यप्रदेश विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि समय तभी बदलता है, जब संकल्प बड़ा होता है। सभी भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का समय बदला है। विश्व के कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को विभूषित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें अभूतपूर्व निवेश प्राप्त हुआ और एमओयू साइन हुए। यह प्रसन्नता का विषय है कि 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को राज्य सरकार धरातल पर ला चुकी है। मध्यप्रदेश की छवि कृषि प्रधान राज्य के साथ उद्योग मित्र राज्य की भी बनी है। राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार को समर्पित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय युवा प्रतिभाओं ने दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियों में शीर्ष पदों पर पहुंचकर भारत का मान बढ़ाया है। स्पेस टेक्नोलॉजी में भारतीय वैज्ञानिकों ने नए कीर्तिमान गढ़े हैं। राज्य सरकार ने भी अपनी स्पेस-टेक पॉलिसी लॉन्च की है। मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत और अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार का यह प्रयास होगा कि इसमें से लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर का योगदान मध्यप्रदेश का हो। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री मोदी के सेवा, सुशासन और जन कल्याण के संकल्पों को पूर्ण करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश की गिनती देश के सबसे तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में हो रही है। हम विरासत भी और विकास भी के पथ पर लगातार अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस है। उन्होंने रानी दुर्गावती का स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेशवासी रानी दुर्गावती के बलिदान को सदैव याद रखेंगे।

तीन साल से विकास का कारवां लगातार आगे बढ़ रहा

सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश की विशेषता है कि एक बार जो मध्यप्रदेश आता है, यहीं का होकर रह जाता है। प्रदेश में पिछले तीन साल से विकास का कारवां लगातार आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में नए उद्योग स्थापित करने के लिए पर्याप्त लैंड बैंक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार करने लिए पारदर्शी और उद्योगमित्र नीतियां लागू की हैं। मध्यप्रदेश की इन्हीं विशेषताओं के कारण निवेशक उद्योग लगाने के लिए राज्य में आ रहे हैं। देश के मध्य में स्थित होने के कारण उन्हें कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स का विशेष लाभ भी मिलेगा। प्रदेश सरकार ने चारों दिशाओं में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए अधोसंरचना विकास पर विशेष बल दिया है।

रायपुर के 18 करोड़ गबन कांड में शाखा प्रबंधक समेत तीन कर्मचारी बर्खास्त, पांच आउटसोर्स कर्मी भी हटाए गए

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की बरमकेला अपेक्स बैंक शाखा में 18.13 करोड़ रुपये के गबन मामले में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) ने कार्रवाई करते हुए तत्कालीन शाखा प्रबंधक डीआर वाघमारे समेत तीन नियमित कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है, जबकि पांच आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया गया है। गबन में संलिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों से नियमानुसार वसूली भी की जाएगी। मामले की जांच के लिए ईओडब्ल्यू से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है और जल्द ही जांच शुरू होगी। अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदार नाथ गुप्ता के निर्देश पर बरमकेला शाखा में वर्ष 2021 से नवंबर 2024 के बीच हुई वित्तीय अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच और विशेष आडिट कराया गया। जांच में पाया गया कि शाखा से संबद्ध समितियों के खातों में अनधिकृत लेन-देन कर डीएमआर खातों के माध्यम से लगभग 18.13 करोड़ रुपये का गबन किया गया। जांच के बाद तत्कालीन शाखा प्रबंधक डीआर वाघमारे, लेखाधिकारी मीनाक्षी मांझी और लिपिक आशीष कुमार पटेल को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इसके अलावा पांच आउटसोर्स कर्मचारियों को भी हटाया गया है। इस मामले में कुल आठ कर्मचारियों के खिलाफ 4 मई 2025 को थाना बरमकेला में एफआइआर दर्ज कराई जा चुकी है। केदार नाथ गुप्ता ने बताया कि सहकारी बैंकों में गबन और फर्जी ऋण पर रोक लगाने के लिए ई-केसीसी पोर्टल के जरिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने दावा किया कि सख्त कार्रवाई और निगरानी के कारण अपेक्स बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर वर्ष 2025-26 में 40.86 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

भारतीय हॉकी टीम ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराया

लंदन। यहां खेले जा रहे एफआईएच प्रो लीग हॉकी 2026 मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम ने एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने लीग की शानदार शुरुआत की है।

भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ ही अपने यूरोपीय दौरे की अच्छी शुरुआत की है। इस मैच में भारतीय टीम ने अंतिम क्षणों में पाक के हमलों को विफल कर उसकी वापसी की उम्मीदों को तोड़ दिया। इस

मुकाबले की शुरुआत में दोनों टीमों ने सधी हुई शुरुआत की। पाक को आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अहमद नदीम ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

भारतीय टीम ने इसके बाद जवाबी हमले करते हुए पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए पर वह गोल करने में सफल नहीं हुई।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने आक्रामक अंदाज अपनाया। 22वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के एक शॉट को पाक गोलकीपर ने रोका पर गेंद रिबाउंड होकर आयी जिसे अभिषेक ने गोल में डालकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके ठीक दो मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस बार नीलकांत शर्मा ने रिबाउंड पर मिली गेंद को गोलकीपर के पैरों के बीच से निकालकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर के हाफ टाइम तक भारतीय टीम 2-1 से आगे थी।

तीसरे क्वार्टर में पाक ने तेजी से हमले किये पर भारतीय रक्षापंक्ति ने विफल कर दिये। 40वें मिनट में अभिषेक के एक पास पर सुखजीत सिंह ने शानदार गोल कर भारतीय टीम की बढ़त 3-1 कर दिया।

अंतिम क्वार्टर में पाकिस्तान ने वापसी की पूरी कोशिश की। 52वें मिनट में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसपर राजिंदर सिंह ने शानदार शॉट लगाकर स्कोर 4-1 कर दिया। कप्तान के अबू महमूद ने 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर एक बार फिर अंतर को घटाकर 4-2 कर दिया। मुकाबले के अंतिम सेकंडों में पाकिस्तान को एक और मौका मिला और मोइन शकील ने रिबाउंड पर गोल दागकर स्कोर को 4-3 कर दिया। इसके बाद दोनो ही टीमें कोई गोल नहीं कर पायीं और मुकाबला 4-3 से भारतीय टीम ने जीत लिया।

भारत की ओर से अभिषेक, नीलकांत शर्मा, सुखजीत सिंह और राजिंदर सिंह ने गोल दागे। मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन के लिए मनप्रीत सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

मेसी के सबसे अधिक गोल का विश्व रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं एम्बाप्पे

न्यूजर्सी। फीफा विश्व में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने पिछले मैच में दो गोल दागने के साथ ही सबसे अधिक गोल करने का विश्व रिकार्ड अपने नाम किया था। मेसी के अब विश्वकप में कुल 18 गोल हो गये हैं। मेसी का ये रिकार्ड कितने दिन बरकरार रहता है ये कहा नहीं जा सकता क्योंकि फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे 16 गोल दागकर उनके ठीम पीछे हैं। ऐसे में एम्बाप्पे अगले कुछ मैचों में मेसी का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। मेसी ने विश्व कप में कुल 18 गोल दागकर शीर्ष स्थान हासिल किया है, वहीं 27 साल के एम्बाप्पे अब उनके इस ऐतिहासिक आंकड़े से केवल दो गोल दूर हैं, उनके नाम 16 गोल हैं।

हाल ही में इराक के खिलाफ खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में एम्बाप्पे ने दो शानदार गोल दागकर अपने कुल गोलों की संख्या 16 तक पहुंचाई। इस प्रदर्शन के साथ, उन्होंने विश्व कप में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी के बाद संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह मुकाबला उनके करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच भी था, जिसे उन्होंने एक यादगार प्रदर्शन से और खास बना दिया। मैच के 14वें मिनट में उन्होंने अपना पहला गोल किया, जो उनकी टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। जिस इराक के खिलाफ एम्बाप्पे ने अपने दो गोल दागे, वह मुकाबला बारिश के कारण लगभग दो घंटे तक रुका रहा। खेल बहाल होने के बाद भी एम्बाप्पे ने लय बनाये रखी और 54वें मिनट में एक और गोल करके जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोस के 16 गोल के विश्व कप रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। विश्व कप के शुरू होने से पहले क्लोस ही सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड धारक थे, लेकिन मेसी ने सोमवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ इतिहास रचते हुए अपने दो गोलों के साथ 18 का आंकड़ा छूकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया था। इससे पहले, मेसी ने अल्जीरिया के खिलाफ पहले मैच में हैट्रिक लगाकर क्लोसे के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

एम्बाप्पे का यह तीसरा विश्व कप है और उन्होंने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस विश्व कप में उन्होंने अब तक चार गोल किए हैं। इससे पहले, उन्होंने 2022 विश्व कप में आठ गोल दागकर सर्वाधिक गोल के लिए गोल्डन बूट का खिताब जीता था और 2018 विश्व कप में भी चार गोल किए थे। सेनेगल के खिलाफ अपने पहले मैच में भी उन्होंने दो गोल किए थे। कुल मिलाकर, एम्बाप्पे के अंतरराष्ट्रीय गोलों की संख्या 59 हो गई है, जो फ्रांस के लिए सबसे अधिक है।

पांड्या के मुम्बई छोड़कर केकेआर या रॉयल्स जाने की संभावना

मुम्बई। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में नजर नहीं आयेंगे। हार्दिक के अगले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) या राजस्थान रॉयल्स से खेलने की संभावना है।

एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर और रॉयल्स ट्रेड डील के जरिये पांड्या को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। मुम्बई को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो टीमों से प्रस्ताव मिले हैं। माना जा रहा है कि केकेआर प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को को लेकर कई दौर की बातचीत भी हुई है। आईपीएल के 19 वें सत्र में पांड्या का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिस कारण मुम्बई भी अब उन्हें टीम में बनाये नहीं रखना चाहती। वहीं पिछले दो सत्र से खराब प्रदर्शन से परेशान केकेआर हार्दिक को अपनी टीम में लाने को लेकर सभी प्रयास कर रही है। वह उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी देना चाहती है। , इसका कारण है कि अभी टीम उपकप्तान रिंकू सिंह को कप्तानी के लिए सही नहीं मानती। अभी टीम की कप्तानी अजिंक्य रहाणे के पास है पर उनके रहते टीम का प्रदर्शन अच्छ नहीं रहा है। केकेआर रहाणे को टीम से रिलीज करना चाहती है। केकेआर के अधिकारियों ने पिछले सत्र में भी मुम्बई से संपर्क किया था, पर उस समय रिलायंस की वार्षिक आम बैठक के कारण फ्रैंचाइजी बात नहीं कर पायी थी। वहीं दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस को राजस्थान रॉयल्स से भी एक प्रस्ताव मिला है, जिसमें पांड्या और यशस्वी जायसवाल के बीच ट्रेड-ऑफ की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत कहां तक पहुंची है। गौरतलब है कि राजस्थान रॉयल्स रियान पराग को कप्तानी देना चाहते हैं। ऐसे में हार्दिक के लिए वहां रॉयल्स में कप्तानी हासिल करना कठिन होगा। इसलिए उनके रॉयल्स की जगह पर केकेआर जाने की संभावना अधिक है।

मेसी सहित तीन दिग्गजों के बीच 'गोल्डन बूट के लिए कड़ा मुकाबला

फिलाडेल्फिया। अमेरिका, कनाडा और मैक्सको में जारी फीफा विश्वकप में जारी फीफा विश्वकप फुटबॉल में तीन स्टार खिलाड़ियों अर्जेंटीना के लियोनल मेसी, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और नार्वे के एर्लिंग हालैंड के बीच 'गोल्डन बूट अवार्ड के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। हाल ही में हुए मैचों में इन तीनों दिग्गजों ने दो-दो गोल किये थे, जिससे मुकाबला और कड़ा हो गया है। डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में मेसी ने दोनों गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। इससे विश्वकप में उनके गोलों की संख्या रिकॉर्ड 18 तक पहुंच गयी है। ऐसे में मेसी अब तक टूर्नामेंट में पांच गोल के साथ सबसे आगे चल रहे हैं, जिससे गोल्डन बूट की रेस में उनकी दावेदारी और भी मजबूत हो गई है।

वहीं फ्रांस के एम्बाप्पे ने फिलाडेल्फिया में इराक के खिलाफ दो गोल कर अपनी टीम की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस प्रकार अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे एम्बाप्पे ने अब तीन विश्व कप टूर्नामेंटों में कुल 16 गोल कर गोल्डन बूट की दौड़ में अपने को बनाये हुए हैं। वहीं न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने भी दो गोल दागकर नॉर्वे को सेनेगल पर 3-2 से जीत दिलाई, जिससे उनकी टीम ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। अपने पहले ही विश्वकप कप में खेल रहे 25 वर्षीय हालैंड ने अब तक दो मैचों में चार गोल किए हैं। वह गोल्डन बूट की दौड़ में 16 गोल कर एम्बाप्पे के बराबर और मेसी से दो गोल पीछे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में विश्व कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, ऐसे में इस युवा स्ट्राइकर का यह पहला विश्व कप अभियान है, जिसमें उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है और एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है, गोल्डन बूट की यह व्यक्तिगत कड़ी होती जा रही है। मेसी अपनी अनुभव और रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ, एम्बाप्पे अपनी युवा ऊर्जा और रिकॉर्ड-बराबरी के साथ, और हालैंड अपने पहले विश्व कप में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

इंग्लैंड दौरे में सचिन का सबसे कम उम्र में डेब्यू का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं वैभव

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर रवाना हो गये हैं। यहां उन्हें आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज में डेब्यू करते ही वैभव सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़ देंगे। तेंदुलकर ने16 साल और 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला कदम रखा था। वहीं 15 साल केवैभव के पास इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर इतिहास रचने का एक बेजोड़ मौका है। भारतीय टी-20 टीम में अपने चयन की खबर मिलते ही वैभव बेहद भावुक हो गए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके करियर का सबसे बड़ा कदम है और उनके पास अपनी खुशी बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में सूर्यवंशी ने कहा, मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैंने इसी के लिए पहले दिन बल्ला उठाया था और अभ्यास के लिए क्रिकेट के मैदान पर उतरा था। वह सपना आज पूरा हो गया है। यह मेरे सफर का सबसे बड़ा कदम है। मैं इन भावनाओं को शब्दों में अभिव्यक्त नहीं कर सकता। यह सपना सच होने जैसा है। जैसे ही मैंने टी-शर्ट देखी, मेरी मुस्कान नहीं रुक रही है। बिहार के समस्तीपुर से अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत करने वाले वैभव ने आईपीएल 2025 में भी एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया था।

2027 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए राहुल हैं कैफ की पहली पसंद

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है 2027 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएल राहुल है। कैफ ने कहा कि युवा ईशान किशन भी अच्छे खिलाड़ी हैं और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी उन्हें पसंद करते हैं पर मेरा मानना है कि राहुल अनुभवी और परिपक्व हैं और एकदिवसीय प्रारुप में उनका रिकार्ड भी काफी अच्छा है। ऐसे में उन्हें टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जगह मिलना तय है। कैफ ने राहुल के पिछले कुछ साल के अच्छे प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, एकदिवसय क्रिकेट में उनका 50 का औसत है। नंबर 5-6 पर आकर जिस तरह से उन्होंने कई मैचों में फिनिशर के तौर पर काम किया है और शानदार औसत के साथ बल्लेबाजी की है, वह सराहनीय है। कैफ ने कहा कि राहुल ने अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं, आलोचना झेली है, टीम से बाहर हुए हैं, ट्रोल हुए हैं, लेकिन इन सबसे उबरकर उन्होंने खुद को एक परिपक्व खिलाड़ी के रूप में साबित किया है। उनकी बहुमुखी प्रतिभा को बताते हुए कैफ ने कहा कि राहुल कई भूमिका एकसाथ निभा सकते हैं। किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, कप्तानी भी कर सकते हैं और बेहतरीन स्लिप फील्डर भी हैं,

जो उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाता है।

हालांकि, मोहम्मद कैफ ने यह भी माना कि भविष्य को देखते हुए ईशान की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अहम दावेदारी है। उन्होंने कहा कि ईशान को फिलहाल जो मौके मिल रहे हैं, वे प्रयोगों का ही हिस्सा हैं। कैफ ने कहा , गंभीर ईशान किशन को बहुत पसंद करते हैं। जिससे उन्हें लाभ हो सकता है। कैफ ने कहा कि एक गंभीर ने कई मौकों पर ईशान का नाम लिया है और उनकी बल्लेबाजी शैली की प्रशंसा की है।

हालांकि अभी कैफ के अनुसार, नंबर 6 पर राहुल का स्थान सुरक्षित है और वही विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे क्योंकि उन्होंने खुद को लगातार प्रदर्शन से साबित किया है। लेकिन कैफ ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जैसे ही राहुल की फॉर्म में गिरावट आएगी या उनके लिए बुरे दिन आएंगे, तो गौतम गंभीर के पसंदीदा होने के नाते ईशान किशन को टीम में जगह मिल सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स के अभिषेक पोरेल के खिलाफ युवती ने दर्ज करायी शिकायत

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के उभरते विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाया है। इस युवती ने इस मामले को लेकर पोरेल के खिलाफ पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के मोगरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में इस युवती ने आरोप लगाया है कि पोरेल ने उनसे शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए पर बाद में मारपीट व धमकी देनी शुरू कर दी। पुलिस ने इन आरोपों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, इस अरोप से पोरेल की मुश्कलें बढ़ गयी हैं।

शिकायतकर्ता युवती का दावा है कि वह पिछले तीन वर्षों से पोरेल के साथ रिश्ते में थीं। उनके अनुसार, हाल के दिनों में दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे, जिसके बाद पोरेल ने उनसे दूरी बनानी शुरू कर दी। उसने अपनी शिकायत में कहा कि पोरेल ने शादी का प्रलोभन देकर उनका शोषण किया और अब अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट रहे हैं। हालांकि, पुलिस अभी इन दावों की सत्यता की पुष्टि कर रही है, और जांच पूरी होने के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर सामने आ पाएगी।

दूसरी ओर पोरेल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पोरेल का कहना है कि उन्हें इस विवाद में इसलिए घसीटा जा रहा है क्योंकि वे इस समय क्रिकेट के मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, मैं इस समय अच्छा खेल रहा हूं, इसलिए इस तरह की बातें सामने आ रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस ने अभी तक उनसे इस मामले में कोई पूछताछ नहीं की है। पोरेल ने कहा कि वह पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही इस पूरे प्रकरण पर विस्तार से बात करेंगे।

पोरेल ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल सीज़न में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था।

पोरेल ने 2022 में बंगाल के लिए अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। तब से वह 32 प्रथम श्रेणी और 23 लिस्ट-ए मुकाबले खेल चुके हैं, जिनमें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक शतक और 12 अर्धशतक, जबकि लिस्ट-ए में दो शतक और पांच अर्धशतक उनके नाम हैं।

पेरी के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराया

सेमीफाइनल में पहुंचने की दावेदारी पक्की हुई

लंदन । ऑलराउंडर एलिस पेरी के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रनों से हरा दिया। इस बड़ी जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने सेमीफाइनल में पहुंचने की दावेदारी पक्की कर ली है। वहीं पाक टीम को लगातार चौथी हार मिली है।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और बेथ मूनी शून्य पर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद एलिस पेरी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के की गेंदबाजों के ध्वस्त कर दिया। उन्होंने पावरप्ले में तेजी से रन बनाये और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पेरी के अलावा जॉर्जिया वोल ने 39 रन बनाए, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने 27 रन बनाये। पेरी ने केवल 48 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्का लगाकर सबसे अधिक 71 रन बनाकर बनाये।

पेरी के आउट होने के बाद निकोला कैरी ने तेजी से खेलते हुए 13 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 199 रनों तक पहुंचाया। पाक की ओर से सादिया इकबाल और नशरा संधू ने दो-दो विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाक टीम 86 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का

पीछा करते हुए पाक टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलिन लौटते गये। पेरी ने दो जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने भी दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने ये मैच 113 रन से जीतकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। अब नेट रन रेट के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, कलेक्टर आफिस के सामने,
प्रथम तल, विश्वेश्वरैया भवन बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :– 07632-358737 ई–मेल :– dpepiu.balaghat@mp.gov.in

एन.आई.टी. नं. –18/2026/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(सं)/जबलपुर दिनांक 19.06.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

क्र.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU_516681_1	लोक निर्माण विभाग (भवन) जिला बालाघाट अंतर्गत भवनों के शेष कार्य तथा रख-रखाव हेतु जोनल निविदा	बालाघाट	50.00	50000.00	5000.00	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत	12 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।

2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन–लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।

3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन–लाईन दिनांक 22.06.2026 समय दोपहर 03:00 बजे से दिनांक 06.07.2026 समय शाम 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी- 14881/26

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

'जमीन' विवाद पर गरमाई देश की राजनीति

नई दिल्ली/भोपाल। मप्र से लेकर बेंगलुरु और दिल्ली तक जमीनों के मामलों को लेकर राजनीति गरमा गई है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जमीन खरीद मामले को लेकर बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस मुख्यालय में सांसद व मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा और मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को घेरा है। जीतू पटवारी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उज्जैन में वीर भारत न्यास नामक एक ट्रस्ट को 500 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन महज 1 रुपए की टोकन राशि पर दे दी गई। इस ट्रस्ट के ट्रस्टी श्रीराम तिवारी हैं, जो मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार हैं। पटवारी ने मुख्यमंत्री से पूछा कि इस ट्रस्ट को इतनी महंगी जमीन किस आधार पर दी गई। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार ने जो जमीनों का

लैंड बैंक बनाया, उसकी आय का स्रोत क्या था? क्या इन संपत्तियों का विवरण सार्वजनिक नहीं होना चाहिए? कांग्रेस के आरोपों का जवाब आरोप से देते हुए भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके बेटे व कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे पर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन की लूट और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक-दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खरगे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है।

मंत्रियों-नेताओं ने संभाला मोर्चा

कांग्रेस के आरोपों पर मप्र के मंत्रियों और नेताओं ने मोर्चा संभाला। एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप ने पलटवार किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की छवि खराब करने की एक साजिश करार दिया। काश्यप ने साफ किया कि जीतू पटवारी जिस वीर भारत न्यास ट्रस्ट पर 500 करोड़ की जमीन हथियाने का आरोप लगा रहे हैं, वह कोई निजी ट्रस्ट नहीं बल्कि पूरी तरह से एक सरकारी ट्रस्ट है। मंत्री चेतन्य काश्यप ने जमीन की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास कुल 17 एकड़ जमीन है। वह उनके मुख्यमंत्री बनने से बहुत पहले की है और यह उनकी व्यक्तिगत संपत्ति है। मास्टर प्लान में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है। मुख्यमंत्री की पुत्रवधू ने 10 एकड़ जमीन खरीदी है, वह भी वर्तमान मास्टर प्लान के दायरे से पूरी तरह बाहर है।

इंसाइडर ट्रेडिंग में आरएसएस का संरक्षण

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह मामला सिर्फ मध्य प्रदेश का स्थानीय मुद्दा नहीं है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय विषय है क्योंकि उज्जैन और अयोध्या जैसे शहरों से पूरी दुनिया के करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। श्रद्धालु अपना पेट काटकर जो पैसा दानपात्र में डालते हैं, उसे लूटना लोगों की पीठ में खंजर घोंपने जैसा है। खेड़ा ने कहा कि जमीन हड़पने के इस खेल में शामिल लोगों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पूरा संरक्षण प्राप्त है, इसलिए आज के हालात संघम शरणम् गच्छामि जैसे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस खुद को एक गैर-पंजीकृत संस्था बनाकर रखता है ताकि उसके पास सारी शक्तियां तो रहें, लेकिन किसी भी गड़बड़ी पर उसकी कोई जिम्मेदारी और जवाबदेही तय न हो सके।

होटल में शेयर कारोबारी की हत्या, दोस्तों ने फेसबुक लाइव कर कबूला जुर्म

हत्या के बाद आरोपी फरार, सोशल मीडिया वीडियो से खुला मामला

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। नारायण विहार थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में शेयर मार्केट कारोबारी की कथित तौर पर उसके दोस्तों ने हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी सोशल मीडिया पर फेसबुक लाइव कर घटना का जिक्र करते हुए फरार हो गए। बाद में वीडियो डिलीट कर दिया गया, लेकिन पुलिस ने उसे जांच का हिस्सा बना लिया है।

मृतक की पहचान गांधी पथ स्थित नित्यानंद नगर निवासी 38 वर्षीय गुरु प्रसाद चौधरी के रूप में हुई है, जो शेयर बाजार का कारोबार करते थे। उनका शव मंगलवार देर रात बजरी मंडी के पास स्थित होटल एसआर के एक कमरे में बिस्तर पर पड़ा मिला। पुलिस के अनुसार, गुरु प्रसाद पिछले दो दिनों से अपने पांच-छह दोस्तों के साथ होटल में ठहरे हुए थे। मंगलवार शाम को उनके साथी होटल छोड़कर चले गए। देर रात होटल कर्मचारियों ने कमरे का दरवाजा खुला देखा और अंदर जाकर देखा तो गुरु प्रसाद अचेत अवस्था में पड़े मिले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि होटल छोड़ने के बाद कुछ आरोपियों ने वाहन में बैठकर फेसबुक लाइव किया। वीडियो में कुछ लोग हत्या का जिक्र करते हुए दिखाई दिए। वीडियो में एक व्यक्ति यह कहते हुए सुनाई देता है कि मृतक पर सोते समय हमला किया गया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया से हटा दिया गया। नारायण विहार थाने के अधिकारियों के अनुसार, मृतक के शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। आशंका है कि शराब पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद मारपीट की गई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में गुरु प्रसाद को कमरे में छोड़कर आरोपी फरार हो गए। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शव का पोस्टमॉर्टम मेडिकल बोर्ड से कराया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि जिस होटल में घटना हुई, उसका संबंध आरोपियों में शामिल एक व्यक्ति के परिवार से बताया जा रहा है। पुलिस संदिग्धों की तलाश में छापेमारी कर रही है और सोशल मीडिया वीडियो समेत अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खेती-किसानी पर मौसम की बड़ी मार, मानसून में 42 प्रतिशत की भारी गिरावट

नई दिल्ली। इस मानसून सीजन में अल नीनो के असर के बीच 23 जून तक भारत में बारिश में 42 फीसदी की कमी देखी गई है। इसे देखते हुए सरकार ने खरीफ की फसलों को बचाने के लिए आपातकालीन उपाय तेज कर दिए हैं। सरकार ने कम बारिश और सिंचाई की कमी वाले 315 जिलों की पहचान की है और राज्यों को जिले के हिसाब से एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कमजोर मानसून से निपटने की देश की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने खेती के उत्पादन पर असर को कम करने के लिए पानी बचाने, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक तरीके से बुआई करने पर जोर दिया। ऐतिहासिक रूप से अल नीनो मौसम पैटर्न का संबंध औसत से कम बारिश और खरीफ फसलों के कम उत्पादन से रहा है।

सरकार ने 2026 के खरीफ सीजन के लिए अनाज उत्पादन का लक्ष्य लगभग 176 मिलियन टन तय किया है, जो पिछले साल के सीजन के उत्पादन के बराबर ही है। अब तक कम बारिश के बावजूद, 22 जून तक 11.99 मिलियन हेक्टेयर जमीन पर फसलों की बुआई हो चुकी है, जो एक साल पहले के 11.79 मिलियन हेक्टेयर से थोड़ी ज्यादा है। मंत्री ने कहा कि सोयाबीन की बुआई पिछड़ रही है। कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मिलकर बारिश के पैटर्न, सिंचाई की सुविधा और स्थानीय मौसम की स्थितियों के वैज्ञानिक डेटा का इस्तेमाल करके कम बारिश वाले संवेदनशील ज़िलों की पहचान की है।

315 जिलो को 3 कैटेगिरी में डाला

पहचाने गए 315 जिलों में से 111 को उच्च प्राथमिकता वाली श्रेणी में रखा गया है, जहां सिंचाई की सुविधा 25 फीसदी से कम है। 76 जिले मध्यम प्राथमिकता वाली श्रेणी में आते हैं, जहां सिंचाई की सुविधा 25-50 फीसदी के बीच है। वहीं, 128 जिलों को अपेक्षाकृत कम संवेदनशील माना गया है क्योंकि वहां जलाशयों और अन्य स्रोतों से सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध है। इनमें से ज्यादातर जिले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में फैले हुए हैं। बारिश की संभावित कमी से निपटने के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने जिला-स्तर पर आपातकालीन योजनाएँ तैयार की हैं। इनमें बारिश पर निर्भर क्षेत्रों में आय के नुकसान को कम करने के लिए वैकल्पिक फसलों के चयन और बुआई के संशोधित कार्यक्रम की सिफारिश की गई है।

ये की गई हैं सिफारिश

मानसून की प्रगति पर समीक्षा बैठक के बाद चौहान ने पत्रकारों से कहा कि कुल मिलाकर, मानसून की बारिश में 43 प्रतिशत की कमी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कमजोर मानसून दो जुलाई तक जारी रहने की संभावना है। इसका मतलब है कि खरीफ फसलों पर असर पड़ सकता है। मंत्रालय ने राज्य-वार आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं, जिनमें कम बारिश की स्थिति के अनुकूल वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे कम पानी की जरूरत वाली दालों, तिलहनों और मोटे अनाजों को बढ़ावा दें और किसी एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय कम समय में तैयार होने वाली और जलवायु के अनुकूल बीजों की किस्मों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। मंत्री ने कहा कि बारिश में कमी है। हमें किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनाने का सुझाव देने की जरूरत है। हम खेतों को खाली नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा कि इस सत्र के लिए बीज और खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। जलाशयों में पानी का स्तर अभी पिछले साल के मुकाबले ज्यादा है, हालांकि इसमें कमी आ रही है। राज्यों से कहा गया है कि वे पानी का समझदारी से इस्तेमाल करें और सिंचाई की जरूरतों के लिए पानी बचाने के मकसद से वीबी-ग्राम जी (विकसित भारतरोजगार गारंटी और आजीविका मिशन ग्रामीण) कार्यक्रम के तहत तालाबों, नदियों, खेतों के तालाबों और चेक डैम की सफाई करें। मंत्रालय ने चुनिंदा राज्यों में फसल बीमा योजनाओं और किसान क्रेडिट कार्ड के तहत बड़े पैमाने पर पंजीकरण करने को कहा है। 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से कहा गया है कि वे किसानों तक अपनी पहुंच बढ़ाएं और एसएमएस, व्हाट्सएप, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से समय-समय पर सलाह पहुंचाएं। उत्पादन के अनुमानों पर चौहान ने कहा कि ये अनुमान सामान्य स्थितियों पर आधारित हैं, लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया कि हम यह पक्का करेंगे कि उत्पादन में कोई कमी न आए। मंत्रालय ने वास्तविक समय पर निगरानी और सलाह देने के लिए एक 'अल नीनो निगरानी प्रकोष्ठ' और 'क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप' बनाया है।

महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए जो राह प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

हरियाणा-राजस्थान के बीच यमुना जल विवाद सुलझा, ऐतिहासिक एमओयू पर सोमवार को हस्ताक्षर

नई दिल्ली। हरियाणा और राजस्थान के बीच बीते 32 वर्षों से चला आ रहा यमुना जल बंटवारे का विवाद आखिरकार सुलझ गया है। इस ऐतिहासिक सहमति को औपचारिक रूप देने के लिए सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में दोनों राज्यों के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस मौके पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहने वाले हैं।

यह सहमति केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल की अध्यक्षता में दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय त्रिपक्षीय बैठक में बनी, जहाँ विवाद के स्थायी समाधान पर अंतिम मुहर लगी। बैठक में दोनों राज्य सरकारों ने 1994 के यमुना जल समझौते को लागू करने की कार्ययोजना को मंजूरी दी, जिससे दशकों पुराने विवाद का अंत हो गया। दरअसल, 1994 के समझौते में माँसून के दौरान यमुना के अतिरिक्त पानी में राजस्थान को भी हिस्सेदारी दी गई थी, लेकिन आवश्यक बुनियादी ढांचे और तकनीकी बाधाओं के कारण पिछले 32 वर्षों से क्रियान्वित नहीं हो सका था। इसका सबसे बुरा असर राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों पर पड़ा, जो लंबे समय से पेयजल संकट का सामना कर रहे थे।

अब, हाल ही में हुई उच्च स्तरीय बैठक में बनी सहमति के बाद हथिनिकुंड बैराज से राजस्थान तक पाइपलाइन बिछाकर पानी पहुँचाने का रास्ता साफ हुआ है। इस परियोजना के पूरा होने पर शेखावाटी क्षेत्र के लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। दोनों सरकारों का मानना है कि यह समझौता न केवल जल विवाद का समाधान करेगा, बल्कि राज्यों के बीच भविष्य में बेहतर जल प्रबंधन और समन्वय का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

कमिश्नर धनंजय सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की संभागीय समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह ने 24 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में उन्होंने लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान कमिश्नर श्री सिंह ने किसानों को ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से उर्वरकों के वितरण, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण, विद्यालयों में विद्यार्थियों के पंजीयन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कमिश्नर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी पात्र विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं तथा शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। कृषि विभाग से संबंधित समीक्षा के दौरान किसानों को ई-टोकन के माध्यम से उर्वरकों का सुचारु एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बालाघाट जिले से कलेक्टर श्री मृणाल मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कमिश्नर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों से समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने कहा।

दिल्ली-अमृतसर एयर इंडिया फ्लाइट पाकिस्तानी एयरस्पेस में दाखिल, बाद में सुरक्षित लौटी

नई दिल्ली। एयर इंडिया की एक फ्लाइट (एआई-479), जो दिल्ली से अमृतसर जा रही थी, उड़ान के दौरान एक असामान्य स्थिति का सामना करते हुए कुछ समय के लिए पाकिस्तान के एयरस्पेस में प्रवेश कर गई। यह घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, विमान अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान ऊगो-अराउंड यानी दोबारा लैंडिंग की प्रक्रिया में था, तभी वह अपने निर्धारित रूट से थोड़ा भटक गया और सीमा पार कर गया। इसके बाद लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को तुरंत चेतावनी दी।

चेतावनी मिलने के बाद पायलट ने तुरंत स्थिति को संभाला और विमान को सुरक्षित रूप से भारतीय एयरस्पेस में वापस ले आया। इसके बाद फ्लाइट ने अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर अपनी यात्रा जारी रखी। एयर इंडिया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि यह एक मामूली तकनीकी/ऑपरेशनल विचलन था और मामले की जांच की जा रही है। कंपनी ने यह भी कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा पूरी तरह सुरक्षित रही और कोई आपात स्थिति नहीं बनी। इस घटना में किसी तरह की क्षति या खतरे की सूचना नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस उल्लंघन के कारण इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। मामले की जांच संबंधित विमानन नियामक एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

खड़गे परिवार के ट्रस्ट पर 100 करोड़ की जमीन हड़पने का आरोप- बीजेपी ने साधा निशाना

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार पर कर्नाटक में जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। भाजपा का दावा है कि खड़गे परिवार के एक ट्रस्ट ने राज्य में करीब 100 करोड़ रुपये की औद्योगिक भूमि को अवैध रूप से हथिया है। नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मामले को जमीन की लूट और भ्रष्टाचार बताया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भंडारी ने बताया कि 2024 में कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड (केआईएडीबी) ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को करीब पांच एकड़ औद्योगिक भूमि आवंटित की थी। यह आवंटन एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) के लिए किया गया था। हालांकि, भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि इस ट्रस्ट को इन क्षेत्रों में कोई पूर्व अनुभव नहीं है। उन्होंने ट्रस्ट की संरचना पर सवाल उठाए, यह कहते हुए कि यह मल्लिकार्जुन खड़गे, उनके बेटे प्रियांक खड़गे (जो कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं), दामाद और उनकी पत्नी सहित खड़गे परिवार के सदस्यों द्वारा चलाया जाता है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता भंडारी के अनुसार, आवंटित भूमि की बाजार कीमत करीब 100 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि एक इसतरह के ट्रस्ट को, जिसका इन विशेष औद्योगिक क्षेत्रों में कोई ट्रैक रिकॉर्ड नहीं है, इतनी मूल्यवान जमीन देना अपने आप में संदिग्ध है। भाजपा ने आरोप लगाया कि खड़गे और उनके बेटे प्रियांक ने अपने राजनीतिक पद और प्रभाव का दुरुपयोग करके यह जमीन हड़पी है। भंडारी ने सवाल उठाया, खड़गे जी, आप एक राजनेता हैं, आपके ट्रस्ट ने ऐसा कौन सा काम किया, जो एयरोस्पेस और डिफेंस रिसर्च के लिए आरक्षित जमीन आपके निजी ट्रस्ट को दे दी गई? उन्होंने आरोप लगाया कि खड़गे और प्रियांक खड़गे ने इस ट्रस्ट के माध्यम से अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करते हुए जमीन पर कब्जा किया है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण की संवेदनशील मिसाल

बीमार बाघ को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने किए हरसंभव प्रयास, उपचार के दौरान हुई मृत्यु

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और उपचार के प्रति संवेदनशीलता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण सामने आया है। गंभीर रूप से बीमार पाए गए एक बाघ को समय रहते रेस्क्यू कर विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार उपलब्ध कराया गया, लेकिन लगातार चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई। वन विभाग ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और वैज्ञानिक तरीके से संपन्न की।

जानकारी के अनुसार, 4 जून 2026 को हाथी गश्ती के दौरान किसली परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 777 स्थित संदूक खोल क्षेत्र में एक बाघ अत्यंत अस्वस्थ अवस्था में दिखाई दिया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर बाघ को मुक्की क्रारटाइन सेंटर में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक जांच में उसमें केनाइन डिस्टेंपर रोग के लक्षण पाए गए थे।

बाघ के उपचार के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारियों, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर तथा वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट (डब्ल्यूसीटी) के विशेषज्ञ चिकित्सकों की संयुक्त टीम लगातार सक्रिय रही। इसके अलावा देश के वरिष्ठ वन्यजीव विशेषज्ञों से भी तकनीकी सलाह लेकर उपचार किया गया। हालांकि, गहन चिकित्सा और सतत निगरानी के बावजूद बाघ को बचाया नहीं जा सका।

बाघ की मृत्यु के बाद एनटीसीए प्रोटोकॉल एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) भोपाल के निर्देशों के अनुरूप शव परीक्षण की कार्रवाई की गई। डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. आशीष वैद्य एवं डॉ. अनुका उपाध्याय के विशेषज्ञ दल ने पोस्टमार्टम किया। परीक्षण में बाघ के सभी महत्वपूर्ण अंग सुरक्षित पाए गए। मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच हेतु आवश्यक नमूने सुरक्षित रखे गए हैं।

शव परीक्षण के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नामित सदस्यों की उपस्थिति में बाघ का सम्मानपूर्वक भस्मीकरण किया गया। इस दौरान क्षेत्र संचालक रवींद्र मणि त्रिपाठी, सहायक संचालक अजय ठाकुर, तहसीलदार बैहर जमुना प्रसाद भगत, एनटीसीए प्रतिनिधि परशुराम चौहान, फील्ड बायोलॉजिस्ट अर्जिक्य देशमुख, मानसेवी वन्यजीव अभिरक्षक चंद्रेश खरे, सरपंच शकुंतला मरकाम सहित वन विभाग का अमला मौजूद रहा।

कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने कहा कि वन्यजीवों के संरक्षण, स्वास्थ्य निगरानी और उपचार के लिए लगातार वैज्ञानिक एवं आधुनिक उपाय अपनाए जा रहे हैं। बीमार बाघ को बचाने के लिए किए गए समन्वित प्रयास वन्यजीव संरक्षण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

न्यूज गैलरी

कुएं में मोटर सुधारते समय किसान की दर्दनाक मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवरगांव के सिटकुटोला में एक दर्दनाक हादसे में किसान की कुएं में गिरने से मौत हो गई।घटना 24 जून की सुबह उस समय हुई।जब वह खेत में बने कुएं के अंदर उतरकर मोटर सुधारने गया था।ग्रामीण पुलिस ने मृतक कृषक लक्ष्मण पिता हेमराज लिल्हारे 55 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मण लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करते थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बहू हैं। जिनका खेत घर से ही लगा हुआ है। घर से लगे खेत में स्थित कुएं से ही फसल की सिंचाई की जाती थी। बताया गया है कि 24 जून को सुबह करीब 10 बजे लक्ष्मण कुएं के अंदर खराब मोटर ठीक करने के लिए उतरे थे। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वे बाहर नहीं आए।काफी देर तक लक्ष्मण के वापस नहीं लौटने पर उनकी पत्नी कुएं के पास पहुंची। वहां देखने पर कुएं के पानी में लक्ष्मण का शव दिखाई दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य एवं आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। इसके बाद ग्रामीण थाना पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से लक्ष्मण के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को जिला अस्पताल बालाघाट भेजा गया।जहां पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया।प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि मोटर सुधारने के दौरान लक्ष्मण का पैर फिसल गया।जिससे वह कुएं में गिर गये और पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई।ग्रामीण थाना पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग के अधिकारी बने खरीददार, बाघ के कंकाल सहित 06 आरोपी गिरफ्तार

पश्चिम सामान्य बैहर एवं पूर्व बैहर सामान्य के वन अमले ने की संयुक्त कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बैहर। उत्तर वन मंडल बालाघाट सामान्य के तहत पश्चिम बैहर सामान्य एवं पूर्व बैहर सामान्य के वन अमले ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वन्य प्राणियों के संदिग्ध अवशेषों की अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल छह आरोपियो को पकड़कर बाघ तस्करी के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में आरोपियो के कब्जे से दो अलग-अलग संदिग्ध कंकाल एवं हड्डियां बरामद की गई हैं, जिन्हें प्रथम दृष्टया बाघ के अवशेष माना जा रहा है।बरामद सामग्री की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए फारेंसिक जांच कराई जा रही है। जानकारी के अनुसार, वन विभाग को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि कुछ लोग वन्य प्राणियों के अवशेषों की खरीद-फरोख्त करने वाले हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने विशेष रणनीति तैयार की। खुद खरीददार बनकर ग्राम छपारा व हर्राभाट पहुंचकर आरोपियो को पकड़ा गया। योजनाबद्ध तरीके से की गई इस कार्रवाई के दौरान अवशेष बेचने आए 6 लोगों को मौके पर ही हिरासत में लिया।पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से दो अलग-अलग संदिग्ध कंकाल और हड्डियां बरामद हुईं।

आरोपियों में इनका समावेश

मामले में जिन आरोपियो को अभिरक्षा में लिया है। उनमें रामलाल पिता नजरू टेकाम 52 वर्ष निवासी ग्राम कुरवाही, तहसील बिछिया जिला मंडला, दशरथ पिता भारत परते 45 वर्ष निवासी बिछिया जिला मंडला, भीम सिंह पिता समारू परते निवासी हर्राभाट तहसील परसवाड़ा बालाघाट, रविन्द्र सोनकुसरे पिता सुखदेव निवासी छपारा तहसील परसवाड़ा बालाघाट, राजकुमार पिता विष्णुलाल सोनकुसरे निवासी छपारा तहसील परसवाड़ा बालाघाट और देवीदयाल पिता अमृतलाल ढोढरे निवासी छपारा तहसील परसवाड़ा बालाघाट शामिल हैं।वन विभाग ने बताया कि 06 आरोपियो में से 05 को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि देवीदयाल ढोढरे से पूछताछ जारी है।

बड़े वन्यजीव तस्कर से जुड़े हो सकते है गिरोह के तार

अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते है। इसके तार किसी बड़े वन्यजीव तस्करी गिरोह से जुड़े होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इसी कारण आरोपियो से लगातार पूछताछ की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

वन विभाग कर रहा जांच

वन विभाग की प्रारंभिक जांच में आरोपियो ने बताया कि बरामद अवशेषों में से एक बाघ की हड्डियां मंडला जिले के बम्हनी बंजर क्षेत्र से लाई गई थीं। दूसरे कंकाल को कहां से लाया गया, इस संबंध में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है और वन विभाग इसकी जांच कर रहा है।अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया दोनों कंकाल बाघ के प्रतीत हो रहे हैं, लेकिन अंतिम पुष्टि वैज्ञानिक परीक्षण और फरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

कार्यवाही में इनका रहा विशेष योगदान

प्रकरण में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।देवेंद्र मरावी, ओंकार चौधरी, नरेंद्र मर्सकोले, अरुणेंद्र शेखर तिवारी, प्रमोद बंजारी, चंद्रशेखर मरकाम, सूरज नायक, अक्षय यादव आदि का सरहानीय योगदान रहा।

इस मामले में आगे और खुलासे हो सकते हैं-कंदर्भ भट्ट

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पश्चिम बैहर सामान्य वन परिक्षेत्र अधिकारी कंदर्भ भट्ट ने बताया कि दो अलग अलग वन्य प्राणी के कंकाल सहित 06 आरोपियो को पकड़ा गया है। प्रकरण में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इनमें से एक कंकाल बाघ का प्रथम दृष्टया होना प्रतीत हो रहा है। मामले में 05 आरोपियो को न्यायालय में पेश किया गया है।एक से पूछताछ जारी है।हमे लगता है कि इनका बाहर भी कोई गिरहों सर्किय है,आगे भी इस मामले में और अधिक लोगो के नामें नाम सामने आ सकते है,यदि ऐसा होंगा तो एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

बड़े भाई की हत्या के आरोप में न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल में बंद आरोपी की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बड़े भाई की हत्या के आरोप में बालाघाट जिला जेल में न्यायिक अभिरक्षा में बंद एक आरोपी की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक कृष्ण किशोर उदयपुरे 30 वर्ष ग्राम हट्टा निवासी है। अचानक तबीयत खराब होने पर उसे 24 जून की सुबह 3ः20 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां दोपहर करीब 2ः10 बजे उसने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार कृष्ण किशोर उदयपुरे को अपने बड़े भाई कुलदीप उदयपुरे की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेजा गया था। बताया जाता है कि 15 और 16 जून की दरमियानी रात ग्राम हट्टा में पारिवारिक विवाद के चलते कृष्ण किशोर ने शराब के नशे में सो रहे अपने बड़े भाई कुलदीप उदयपुरे की नारियल की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी।इस मामले में हट्टा पुलिस ने अपराध क्रमांक 73/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(2) एवं 238(बी) के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर 19 जून को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। उसी दिन शाम करीब 5ः50 बजे उसे जेल में दाखिल किया गया था।बताया गया कि 23 और 24 जून की दरमियानी रात अचानक कृष्ण किशोर की तबीयत बिगड़ गई। उसका ब्लड प्रेशर बढ़ गया था और सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। स्थिति गंभीर होने पर जेल प्रशासन ने तत्काल उसे जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां सुबह 3ः20 बजे हाई डिपेंडेंसी यूनिट वार्ड में भर्ती किया गया अस्पताल में उपचार के दौरान उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। उसकी निगरानी के लिए जेल प्रशासन का कर्मचारी जेल पहरी सतीश डहेरिया भी अस्पताल में मौजूद रहा। चिकित्सकों द्वारा गहन उपचार किए जाने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 24 जून को दोपहर करीब 2ः10 बजे उसकी मौत हो गई।मौत की सूचना जिला अस्पताल पुलिस चौकी एवं जेल प्रशासन को दे दी गई। और जेल प्रशासन ने इस घटना की सूचना मृतक के परिजन को भिजवा दी थी । जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। लंबी जांच प्रक्रिया के कारण देर शाम तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। फिलहाल शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया है। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट